सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 294 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 06 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

एशियन अफ्रीकन पैसिफिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप की विजेता नमी राय पारेख ने की सीएम साय से मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में बुधवार को एशियन अफ्रीकन पैसिफिक पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता नमी राय पारेख ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय को रायपुर निवासी नमी राय पारेख ने बताया कि 05 से 13 जुलाई तक जापान के हिमेजी में एशियन पॉवरलिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा एशियन अफ्रीकन पैसिफ्कि पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इस चैंपियनशिप में उन्होंने 57 किलोग्राम डेडलिफ्ट वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुश्री नमी राय पारेख को एशियन अफ्रीकन पैसिफिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल करने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आपने अपनी मेहनत और समर्पण से छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। प्रदेश की बेटियों को आपकी उत्कृष्ट उपलब्धि से प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर अंजय शुक्ला, अंजिनेश शुक्ला, सनी पारेख सहित अन्य उपस्थित थे।

रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं, 5.5 फीसदी पर बरकरार : गवर्नर संजय मल्होत्रा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुंबई में आज प्रमुख नीतिगत दरों की घोषणा की। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने तटस्थ रुख जारी रखने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि ब्याज दरों को भारतीय अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति और देश में मौजूद क्षमता को देखते हुए तय किया गया है। संजय मल्होत्रा ने रेपो रेट में कमी का एलान नहीं किया। ऐसे में नीतिगत दरों से जुड़े ऋणों की ईएमआई में फिलहाल बदलाव नहीं होने वाली। इससे पहले उन्होंने जून की मॉनेटरी पॉलिसी में रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट्स में कमी का एलान किया था। अप्रैल की पॉलिसी में भी केंद्रीय बैंक ने 25 बेसिस प्वाइंट्स की कमी की थी। फिलहाल यह 5.50 फीसदी पर बरकरार है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 के लिए विकास दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। उन्होंने आगे कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से अल्पकालिक उधार दर या रेपो दर को तटस्थ रुख के साथ 5.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ सरकार का युवाओं पर फोकस रोजगार से जोड़ने व आत्मनिर्भरता पर जोर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कौशल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में अफसरों को दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में कौशल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि युवाओं के कौशल प्रशिक्षण को सीधे रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना है। इसके लिए विभाग द्वारा निरंतर नवाचार और प्रभावी कार्ययोजना आवश्यक है। सीएम साय ने यह भी कहा कि सरकार का फोकस युवाओं पर है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए वर्ष 2025-26 के लिए जिलेवार प्रशिक्षण उपलब्धि और आबंटित बजट पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0, और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री साय ने बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में चलाए जा रहे 'नियद नेल्ला नार' योजना के तहत आत्मसमर्पित माओवादियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के सम्बन्ध में जानकारी ली।

अब तक 549 युवाओं को दिया जा चुका प्रशिक्षण

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अब तक 549 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जबकि पुनर्वास केंद्रों में 382 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसी क्रम में पीएम जनमन योजना के तहत अत्यंत पिछड़ी जनजाति के युवाओं को दिए जा रहे कोर्सवार प्रशिक्षण की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने यह भी बताया कि 1 जुलाई 2025 से मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत चेहरा-आधारित स्कैनिंग प्रणाली द्वारा प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति दर्ज की जा रही है, जिससे पारदर्शिता और निगरानी में सुधार हुआ है। बैठक में विभाग द्वारा निजी संस्थाओं के साथ किए गए एमओयू की जानकारी भी साझा की गई, जिनमें नांदी फाउंडेशन और महिंद्रा एंड महिंद्रा संस्थानों से किए गए समझौते शामिल हैं। इन संस्थानों के माध्यम से राज्य में गुणवत्ता आधारित प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है।

युवाओं की आजीविका व आत्मनिर्भरता के लिए हो प्रयास

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कौशल विकास योजनाओं को युवाओं की आजीविका, आत्मनिर्भरता और भविष्य के निर्माण से जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में सतत प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में वन एवं कौशल विकास मंत्री केदार कश्यप, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, कौशल विकास विभाग के सचिव एस भारतीदासन तथा छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय दयाराम के सहित अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कौशल तिहार की रूपरेखा भी की गई प्रस्तुत

इस दौरान 'कौशल तिहार 2025' के आयोजन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं में कौशल के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह प्रतियोगिता जिला और राज्य स्तरीय दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में 10 प्रमुख ट्रेड ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, ब्रिकलेइंग, रिन्युएबल एनर्जी, हेल्थ एंड सोशल केयर, प्लंबिंग एंड हीटिंग, इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस, इलेक्ट्रॉनिक्स फील्ड टेक्नीशियन, कंप्यूटर, मोबाइल फोन टेक्नीशियन, ग्राफिक डिजाइन टेक्नोलॉजी, डेस्कटॉप पब्लिशिंग तथा रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग शामिल है। जिला स्तर पर प्रत्येक ट्रेड से दो विजेताओं का चयन किया जाएगा, जो राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इन्हें राज्य सरकार द्वारा पुरस्कार व प्रमाण पत्र दिया जाएगा। उन्हें इंडिया स्किल्स 2025 की क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा, जहां से चयनित प्रतिभागी 'वर्ल्ड स्किल्स 2026', शंघाई (चीन) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

छत्तीसगढ़ के वन क्षेत्र में मिले बड़े मांसाहारी जानवर के पदचिन्ह

वन विभाग ने शुरू की तलाश, पदचिन्ह का प्लास्टर कास्ट जांच के लिए भेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। धरमजयगढ़ वनमंडल में इन दिनों एक बड़े मांसाहारी जंगली जानवर (लार्ज कार्निवोर) की हलचल देखी जा रही है। बीते कुछ दिनों में इसके पदचिन्ह (पंजे के निशान) अलग-अलग इलाकों में मिले हैं, जिसके बाद वन विभाग पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, छाल परिक्षेत्र के ग्राम कोकदार में ग्रामीणों ने खेत के पास किसी बड़े जानवर के पंजे के निशान देखे और तुरंत इसकी सूचना वन अमले को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय वन अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और निशान की जांच की। शुरुआती तौर पर यह बड़े मांसाहारी जानवर का पदचिन्ह प्रतीत हुआ। इसके बाद वन विभाग की टीम ने लगातार निगरानी शुरू कर दी। 3 अगस्त 2025 को इस तरह के पदचिन्ह फिर लैलूंगा परिक्षेत्र में दिखाई दिए। वन विभाग ने अलग-अलग टीमें बनाकर सतत निगरानी जारी रखी हुई है। पदचिन्ह का प्लास्टर कास्ट (पी.ओ.पी.) तैयार कर लिया गया है जिसे विशेषज्ञों को जांच के लिए भेजा जाएगा।

वन विभाग का कहना है कि 5 अगस्त 2025 को इसी तरह का पदचिन्ह ओडिशा राज्य के अंदर भी देखा गया है, जिसके बाद सुंदरगढ़ वनमंडल के अधिकारियों को भी जानकारी दे दी गई है। धरमजयगढ़ वनमंडलाधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों से अपील है कि किसी प्रकार के पदचिन्ह या जानवर के दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी वन अमले को सूचना दें। किसी अफवाह पर ध्यान न दें तथा जंगल या खेतों में अकेले जाने से बचें। विभाग की टीमें सतर्क हैं और लगातार निगरानी कर रही हैं।

पीएम मोदी ने किया सीसीएस के पहले भवन का लोकार्पण सरकारी मंत्रालयों व विभागों को मिला नया ठिकाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर नवनिर्मित कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर कर्तव्य भवन में शिफ्ट किया जाएगा जिससे दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय/विभाग और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे।

सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए ऐसे कुल 10 भवनों का निर्माण होना है। इनमें से कर्तव्य भवन-3 बनकर तैयार हो गया है, इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। साथ ही वह शाम छह बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। परियोजना पूरी होने के बाद किराये के तौर पर खर्च होने वाले 1500 करोड़ रुपये की बचत होगी।

कर्तव्य भवन-3 एक अत्याधुनिक इमारत है, जो सेंट्रल विस्टा का हिस्सा है। इसे विभिन्न सरकारी मंत्रालयों और विभागों को एक ही स्थान पर लाने के उद्देश्य से बनाया गया है। इसका लक्ष्य कार्य में तेजी लाना, समन्वय बढ़ाना और नवाचार को बढ़ावा देना है। यह भवन प्रधानमंत्री मोदी के नागरिक-केंद्रित शासन के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

लगभग 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल+6 मंजिल) हैं। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे।

जल जीवन मिशन के कार्यों में देरी पर सख्ती, जीपीएम में कलेक्टर लीना ने थमाया 45 ठेकेदारों को नोटिस

कार्य पूर्ण न करने वाले ठेकेदारों के अनुबंध को निरस्त करने की दी चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यों में अनावश्यक विलंब किए जाने पर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने 45 ठेकेदारों को अंतिम नोटिस जारी कर उन्हें 15 दिवस के भीतर शेष कार्यों को पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए है। निर्धारित समय-सीमा कार्य पूर्ण न करने वाले ठेकेदारों के कार्य अनुबंध को निरस्त करने की भी चेतावनी दी गई है।

गौरतलब है कि जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखण्ड मरवाही के ग्राम चंगेरी (तलवाटोला), परासी (मौहारीटोला, हर्राटोला), कुम्हारी (बनियाडांड), मरवाही (मरवाहीटोला, गिरीयानटोला), लोहारी (राजारानीटोला, चलचलीटोला), सेमरदर्री (धौराठी, बिलाईडांड 1-2), मडवाही (दुवारीटोला) तथा दानीकुंडी (पतेराटोला) में रेट्रोफिटिंग ग्राम योजनाओं के अंतर्गत 63 से 75 मिमी व्यास की एचडीपीई पाइप लाइन बिछाने, घरेलू नल कनेक्शन तथा संबंधित अन्य कार्यों के लिए कार्यादेश जारी करते हुए 6 माह की समयावधि प्रदान की गई थी, जो कि 21 दिसंबर 2022 को समाप्त हो चुकी है। इसके बावजूद संबंधित ठेकेदारों द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया गया है।

जलजीवन मिशन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना

कलेक्टर मंडावी ने कहा है कि जल जीवन मिशन, शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल प्रदाय करना है। कार्यों में अनावश्यक देरी से ग्रामवासियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। कई बार की चेतावनी के बावजूद भी कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं आने की स्थिति को देखते हुए उन्होंने संबंधित ठेकेदारों को 15 दिवस के भीतर सभी शेष कार्यों को पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के सख्त निर्देश दिए हैं। निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण न करने वाले ठेकेदारों के अनुबंध समाप्त कर नियामानुसार कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जो भोगता है सिर्फ वही जानता है

श्रीकंचनपथ

हरियाणा के रेवाड़ी में एक गांव है पिथनवास। इस गांव में एक 90 वर्षीय वृद्धा की मृत्यु सुबह-सुबह हो गई। उनके जीवन साथी उस समय बाहर कुर्सी पर बैठे चाय पी रहे थे। थोड़ी देर बाद परिजनों को पता चलता है कि उन्होंने कुर्सी पर बैठे-बैठे ही खामोशी से अपने प्राण त्याग दिये थे। वे 93 वर्ष के थे। दंपति ने भरपूर जीवन दिया था। उन्होंने चार पीढ़ियां देख ली थीं। दोनों की अर्थी साथ-साथ चली। अर्थियों को गुब्बारों से सजाया गया और ढोल नगाड़े के साथ अंतिम यात्रा निकाली गई। इससे पहले यूपी के फतेहाबाद में भी एक ऐसी ही घटना देखने में आई थी। लिवर की समस्या से जूझ रही 48 वर्षीय ममता की मृत्यु हो गई। जैसे ही उनकी मृत्यु का समाचार मिला उनके 53 वर्षीय पति राजकुमार ने भी प्राण त्याग दिये। क्या प्रेम इतना गहरा हो सकता है? क्या वाकई रूहानी रिश्ते होते हैं? दरअसल, यही सनातन का प्रेम है। यह सहचर्य से विकसित होता है। यह हर हाल में खुश रहना सिखा देता है। सुबह की चाय भी यदि साथ-साथ बैठकर पी ली तो जीवन धन्य लगता है। इसमें प्रेम का भद्दा प्रदर्शन नहीं होता। केवल आंखों में झांककर एक मुस्कान दे दी तो चुम्बन, आलिंगन सब हो जाता है। किसी प्रिवेसी की जरूरत नहीं होती। जुबान से कुछ कहने तक की जरूरत नहीं रहती। सिर्फ ये प्रेम ही उनका अपना होता है अन्यथा वो अपना कमाया सबकुछ अपनी अगली पीढ़ी को निःस्वार्थ-निःसंकोच सौंप देते हैं। उन्हें भविष्य की अनिश्चितता नहीं डराती। साथ-साथ कहीं भी घूम आए तो देश-विदेश की यात्रा हो जाती है। ट्रेन की जनरल बोगी में साथ-साथ बैठने मिल जाए तो वह हवाईजहाज की एक्जीक्यूटिव यात्रा से ज्यादा आरामदेह हो जाती है। पोटली से निकली रोटी सब्जी ही उनके लिए फाइव स्टार रेस्तरां का भोजन हो जाता है। उनके सपने, उनकी दुनिया एक दूसरे में सिमटी होती है। यहीं से उभरता है संतुष्टि का वह भाव जिसे खरीदा नहीं जा सकता। यह भाव न केवल एक दूसरे के प्रति समर्पण पैदा करता है बल्कि एक के जाते ही दूसरे की दुनिया खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है। हम बात तो करते हैं भारतीय ज्ञान पद्धति की पर इसे स्कूल कालेज में सिखाया नहीं जा सकता। इसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब रिश्ते नफा-नुकसान को देखकर जोड़े जाते हैं तो भारतीय ज्ञान परम्परा खुद ब खुद खूंटी पर टंग जाती है। जीवन यापन तो एक बहाना मात्र है, उसे ऊपर उठाने के लिए लोग अपना जमीर तक गिरवी रख देते हैं। घर के तीन कमरे और कार की चार सीटें अतिथियों और रिश्तेदारों की संख्या तय कर देते हैं। पर्यटन पैकेज में होता है जिसमें साथी ट्रैवल एजेंट तय कर देता है। रिश्तों की वह बेबाकी, वह अल्हड़पन इसमें कहां है। इसीलिए स्वार्थ से जुड़े इन रिश्तों के बीच ताऊजी एक मिसाल बनकर उभरते हैं।

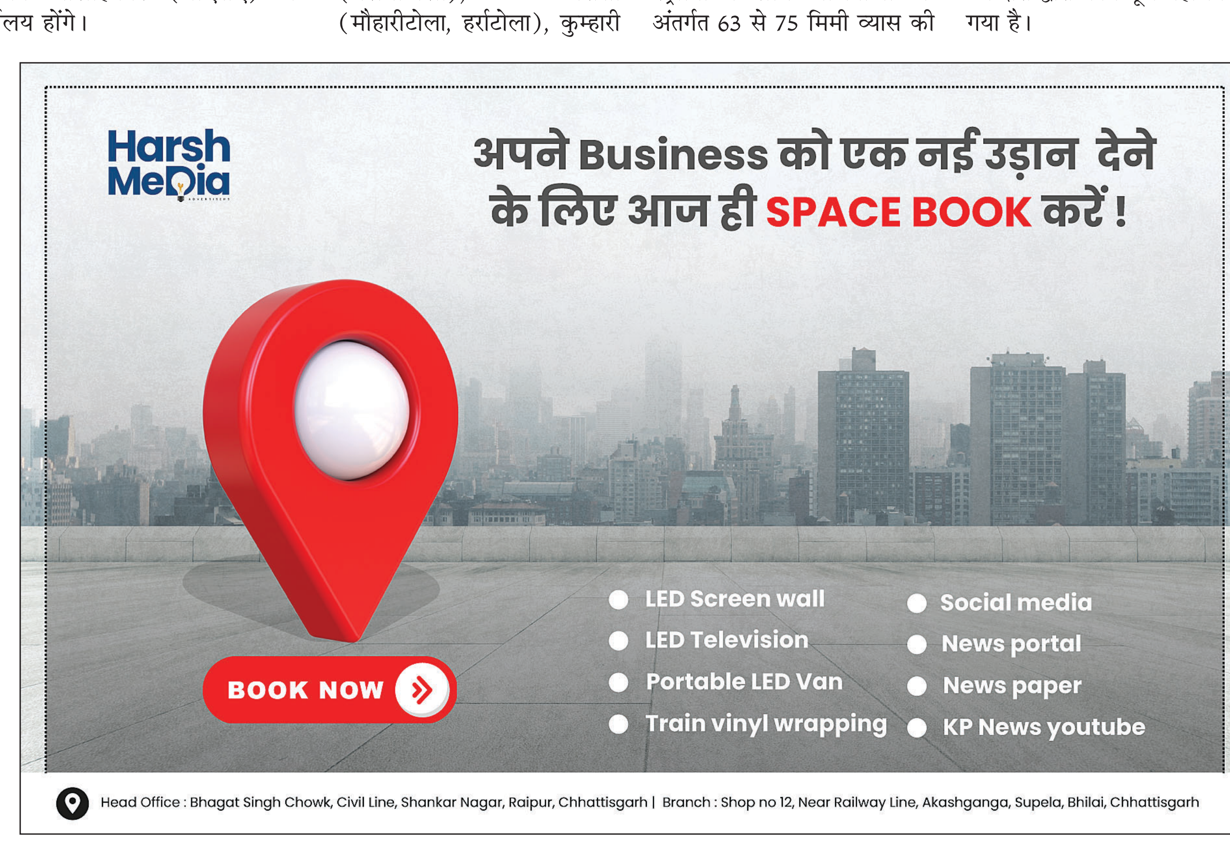

संपादकीय

अपराधियों के हौसले बढ़ाती डिजिटल तकनीक

भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन साल में ही ठगी के नए अवतार से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलों में 210 करोड़ 21 लाख रुपए से अधिक की ठगी हो चुकी है।

राजस्थान के जोधपुर जिले के मीडिया इन्फ्लुएंसर को अपराधियों ने अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देते हुए 20 लाख रुपए की मांग पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई कर दो कथित अपराधियों को पकड़ा है। मीडिया इन्फ्लुएंसर और उसकी कामेडियन पत्नी को उनके अश्लील वीडिया वायरल करने की धमकी दी गई। खैर यह तो इन्होंने हिम्मत दिखाकर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करा दी अन्यथा देश दुनिया में इस तरह की धमकियां देकर डरा-धमकाकर वसूली करने के अपराधों की बाढ़ से आ गई है। दरअसल डिजिटल तकनीक का अपराधियों द्वारा अपराध में उपयोग आम होता जा रहा है। डिजिटल तकनीक के कारण अपराधियों के बढ़ते हौसले की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अजय भनोट ने एक महिला की निजी तस्वीरों को वाट्सएप पर सार्वजनिक करने के मामलें में जमानत देने से इंकार करते हुए सख्त टिप्पणी की है।

न्यायमूर्ति भनोट ने 2023 में भी सोशल मीडिया में अश्लील वीडियो अपालोड के प्रकरण में गंभीर टिप्पणी की थी। दरअसल डिजिटल क्रांति ने अपराध की दुनिया में भी बड़ी सेंध लगा ली है। अपराधी विभिन्न माध्यमों से डिजिटल तकनीक का उपयोग कर गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं। कम्प्यूटर, कम्प्यूटर नेटवर्क, डेटाबेस, डिजिटल डिवाइस, इंटरनेट आदि के माध्यम से नित नए अपराध की तरीके अपना रहे हैं। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन का खासतौर से इस्तेमाल करते हुए लोगों की निजी जिंदगी को प्रभावित करने के साथ ही डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी जैसे गंभीर अपराध बेखौफ कर रहे रहे हैं। मजे की बात यह है कि डिजिटल अरेस्ट या बैंक अकाउंट ठगी के शिकार होने वाले अधिकतर लोग अच्छे पढ़े-लिखे, समाज में अच्छे पदों से सेवानिवृत या यों कहे कि समझदार लोग ही अधिक शिकार हो रहे है। अभी कुछ दिनों पहले ही एक माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि वे साइबर ठगी के शिकार होते होते बचे हैं। डिजिटल तकनीक से अपराध करने वालों के हौसलों को देखिये कि कुछ घंटों नहीं अपितु कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रख कर हजारों नही बल्कि लाखों रुपए अपने खातों में ड़लवा रहे हैं। यह सब तो तब है जब कि सरकार मोबाइल टोन के समय ही ओपनिंग मैसेज के माध्यम से आगाह कर रहे हैं पर इस सबके बाजवूद इस तरह की घटनाओं में साल दर साल मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है।

1970 से 1990 के दो दशकों में केविन मिटनिक और उनके साथियों ने मोटोरोला, नोकिया आदि के नेटवर्क में सेंध मारना शुरु कर दिया था। बॉब थामस ने क्रीपर वायरस के माध्यम से कम्प्यूटर सिस्टम को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इसके बाद तो समय समय पर वायरसों द्वारा कम्प्यूटर सिस्टम को हैंक या प्रभावित करने का सिलसिला ही चल निकला। कम्प्यूटर आधारित अपराधों का केवल अमेरिका का 2015 का आंकड़ा ही चौकाने वाला है जिसमें एफ्बीआई के अनुसार 2 लाख 88 हजार से भी अधिक शिकायतों के साथ ही केवल एक वर्ष में 445 अरब डॉलर के नुकसान का दावा किया गया। साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान पर तो यूक्रेन दूसरे पायदान पर है। चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफहो जाती है साइबर ठगों के सारी दुनिया में हौसले बुलंद है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन साल में ही ठगी के नए अवतार से ठगी की राशि 20 गुणा बढ़ गई है। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही 17 हजार 718 से अधिक मामलों में 210 करोड़ 21 लाख रु. से अधिक की ठगी हो चुकी है। साल 2022 में साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट या इस तरह की ब्लेक मेलिंग, ऑनलाइन ठगी आदि के 39925 मामलों में 91 करोड़ 14 लाख की ठगी हुई थी जो एक साल बाद ही 2023 में बढ़कर 60676 हो गई और इसमें 339 करोड़ रु. की राशि की ठगी हो गई। लाख प्रयासों के बावजूद 2024 में एक लाख 23 हजार 672 मामलों में 1935 करोड़ 51 लाख रु. की ठगी हो गई। यह तो वे मामलें हैं जो पुलिस में दर्ज हुए हैं जबकि हजारों मामलें ऐसे भी होंगे जिनमें मामलें दर्ज कराए ही नहीं गए होंगे। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफहोने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

हैंकिंग, रेनसमवेयर, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैक मेलिंग अपराधियों के प्रमुख हथियार है। व्यक्ति को इस तरह से सम्मोहित व भयग्रस्त कर देते हैं कि समझदार और पढ़े लिखे होने के बावजूद पैसा गंवा बैठते हैं। ठगी, जबरन वसूली, पोर्नोग्राफी, बाल पोर्नोग्राफी, धनशोधन, औद्योगिक जानकारी चुराने, ड्रग, ब्लेक मेलिंग, ड़राने-धमकाने सहित विभिन्न तरह के अपराध को अंजाम देने में इन्होंने विशेषज्ञता हासिल कर ली है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा कि यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल तकनीक ने बहुत कुछ बदल कर रख दिया हैं। तकनीक ने समझ और संवाद को आसान बनाया है। जानकारी का पिटारा खोला है। पर इसके साइड इफेक्ट के रुप में अपराधियों के जाल भी तेजी से फैल रहा है। ऐसे में तकनीक का सकारात्मक उपयोग हो इसके लिए अभी भी बहुत कुछ करना शेष है। साइबर कानून और साइबर थाने बना देने मात्र से समस्या का समाधान होने वाला नहीं हैं। अवेयरनेस प्रोग्राम के बावजूद जिस तरह से हजारों लोग प्रतिदिन साइबर अपराधियों के आसानी से शिकार कार बन रहे हैं। देखा जाए तो डिजिटल ठगी करने वाले पूरी तकनीक और सिस्टम पर भारी पड़ रहे हैं। ऐसे में डिजिटल अपराध और अपराधियों से लोगों को बचाने की कोई ना कोई फूलप्रूफतकनीक व व्यवस्था बनानी ही होगी।

भारत ने नहीं झुका, ट्रंप की धमकी को दिया आंकड़ों से करारा जवाब

अजय कुमार

डोनाल्ड ट्रंप की भारत के प्रति बढ़ती चिढ़ और अमेरिका की दोहरी नीति ने वैश्विक मंच पर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत को बार-बार टैरिफ और जुर्माने की धमकियां दे रहे हैं, खासकर रूस से तेल और हथियारों के व्यापार को लेकर। लेकिन भारत ने न केवल इन धमकियों को नजरअंदाज किया, बल्कि अमेरिका और यूरोपीय संघ की दोहरी नीतियों को उजागर कर जवाबी रुख अपनाया है। भारत का स्पष्ट कहना है कि जब अमेरिका और यूरोप स्वयं रूस से भारी मात्रा में सामान आयात कर रहे हैं, तो भारत पर रूस के साथ व्यापार को लेकर उंगली उठाना अनुचित और अतार्किक है। यह स्थिति वैश्विक भूराजनीति में दोहरे मानदंडों को उजागर करती है, जहां अमेरिका भारत को दबाव में लाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन खुद अपनी जरूरतों के लिए रूस से व्यापार जारी रखे हुए है।

ट्रंप की बयानबाजी में एक साफविरोधाभास नजर आता है। एक तरफ वह भारत को महान मित्र और महान देश कहते हैं, दूसरी तरफ25त्न रेसिप्रोकल टैरिफ और रूस से व्यापार के लिए जुर्माने की धमकी देते हैं। उनकी हताशा का कारण यह है कि भारत उनके दबाव में झुकने को तैयार नहीं है। ट्रंप को लगता है कि जिस भारत को कभी अमेरिका सड़ा हुआ गेहूं भेजता था, वह आज उनकी धमकियों का जवाब देना भी जरूरी नहीं समझता। उनकी चिढ़ का अंदाजा उनके बयानों से लगाया जा सकता है। कभी वह भारत की अर्थव्यवस्था को मृतप्राय कहते हैं, तो कभी पाकिस्तान के साथ तेल सौदों की बात कर भारत को अपमानित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि पाकिस्तान के पास तेल है ही नहीं, और ट्रंप का यह बयान उनकी हताशा का प्रतीक है। वह भारत को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन भारत की रणनीतिक और आर्थिक ताकत के सामने उनकी एक नहीं चल रही।

भारत ने ट्रंप की धमकियों का जवाब न केवल कूटनीतिक रूप से दिया, बल्कि तथ्यों के साथ अमेरिका को आइना भी दिखाया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफकहा कि भारत पर रूस से तेल आयात को लेकर की जा रही आलोचना बेबुनियाद है। भारत ने बताया कि अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, पैलेडियम, खाद, और रसायन जैसे सामान आयात करता है, जो उसकी परमाणु, इलेक्ट्रॉनिक वाहन, और कृषि उद्योगों के लिए जरूरी हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से मई 2025 तक अमेरिका ने रूस से 2.1 बिलियन डॉलर का आयात किया, जो पिछले साल की तुलना में 23% अधिक है। इसमें पैलेडियम (37%), यूरेनियम (28%), और उर्वरक (21%) का आयात प्रमुख है। यह आंकड़े साफबताते हैं कि अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध के बावजूद रूस के साथ व्यापार जारी रखा है। 2021 में अमेरिका ने रूस से 17 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था, और 2024 में भी उसने उर्वरक (1.1 बिलियन डॉलर), पैलेडियम (878 मिलियन डॉलर), और यूरेनियम (624 मिलियन डॉलर) जैसे सामानों का आयात किया।

यूरोपीय संघ भी इस मामले में पीछे नहीं है। वह भारत को रूस से तेल आयात न करने की सलाह देता है, लेकिन स्वयं रूस से ईंधन, लोहा, स्टील, रसायन, और उर्वरक जैसे सामान आयात करता है। 2024 में यूरोपीय संघ ने रूस से 35.9 अरब यूरो का आयात किया, जिसमें 22.3 अरब यूरो का ईंधन प्रमुख था। यह राशि भारतीय रुपये में 3617 करोड़ से अधिक है। भारत का तर्क है कि जब अमेरिका और यूरोप अपनी जरूरतों के लिए रूस से व्यापार कर रहे हैं, तो भारत पर दबाव डालना दोहरा मापदंड है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूस से 35-40त्न तेल आयात करता है, जो आर्थिक रूप से फायदेमंद है।

भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक ताकत ट्रंप की चिढ़ का प्रमुख कारण है। भारत ने न केवल रूस के साथ व्यापार जारी रखा, बल्कि अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) पर जोर दिया, जो दोनों देशों के हितों को संतुलित करे। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत जवाबी टैरिफके बजाय बातचीत से समाधान चाहता है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी स्पष्ट किया कि भारत ट्रंप के दबाव के बावजूद अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (FIEO) के डीजी अजय सहाय के अनुसार, 25त्न टैरिफसे भारत की जीडीपी पर 0.2-0.5% का असर हो सकता है, लेकिन 6% से अधिक की विकास दर इसे संभाल सकती है। भारत वैकल्पिक बाजारों जैसे यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, और चीन की ओर भी रुख कर रहा है। चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने भारत से आयात बढ़ाने और व्यापार घाटा कम करने की बात कही, जो भारत के लिए एक बड़ा अवसर है।

ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और मेक इन अमेरिका नीतियां भारत के बिना पूरी तरह सफल नहीं हो सकतीं। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार और विनिर्माण केंद्र है। अमेरिकी कंपनियां जैसे एपल, टेस्ला, और बोइंग भारत में निवेश और उत्पादन बढ़ा रही हैं। ट्रंप के प्रस्तावित 25% टैरिफ से भारत में बने उत्पाद महंगे होंगे, जिससे अमेरिकी उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ेगा। साथ ही, मेक इन अमेरिका की लागत बढ़ने से अमेरिकी उत्पाद वैश्विक बाजार में चीन से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। अमेरिका को यह भी डर है कि भारत यूरोप, चीन, और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे वैकल्पिक बाजारों की ओर रुख कर सकता है, जिससे उसका वैश्विक व्यापार में प्रभाव कम हो सकता है।

अमेरिकी विशेषज्ञ भी भारत के साथ टैरिफयुद्ध को गलत मानते हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा कि भारत के साथ व्यापारिक तनाव वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक स्थिरता को नुकसान पहुंचा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई ने भारत के साथ संतुलित और पारस्परिक लाभकारी व्यापार वार्ताओं की वकालत की। राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ लिसा कर्टिस ने चेतावनी दी कि भारत पर उच्च टैरिफ लगाना अमेरिका की हिंद-प्रशांत रणनीति को कमजोर करेगा और चीन को क्षेत्रीय प्रभाव बढ़ाने का मौका देगा। अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स भी मानता है कि उच्च टैरिफसे अमेरिकी कंपनियां और उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

ट्रंप की धमकियों के बीच रैपिडान एनर्जी ग्रुप के चेयरमैन बॉब मैकनेली का बयान चर्चा में है। उन्होंने कहा कि ट्रंप भारत पर रूस से तेल आयात के लिए 25% से लेकर 100% तक टैरिफ लगा सकते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत से रूसी तेल खरीदने की गुहार लगाई थी ताकि वैश्विक तेल की कीमतें नियंत्रित रहें। पूर्व अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी का एक वायरल वीडियो भी यही बात दोहराता है। गार्सेटी ने कहा कि भारत ने रूसी तेल इसलिए खरीदा क्योंकि अमेरिका चाहता था कि वह एक निश्चित मूल्य सीमा पर तेल खरीदे, जिससे वैश्विक बाजार में स्थिरता बनी रहे।

भारत ने इस दोहरे रवैये को उजागर करते हुए साफ कर दिया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों और रणनीतिक हितों से समझौता नहीं करेगा। भारत क्वाड का प्रमुख स्तंभ है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीति को मजबूती देता है। भारत-अमेरिका iCET पहल के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, और रक्षा प्रौद्योगिकी में सहयोग बढ़ रहा है। भारत की तकनीकी क्षमता और मानव संसाधन अमेरिका के लिए अपरिहार्य हैं। भारत ने अमेरिका के लिए कृषि और डेयरी बाजार पूरी तरह खोलने से भी इनकार किया है, क्योंकि यह 70 करोड़ किसानों के हितों से जुड़ा है।

ट्रंप की बयानबाजी और धमकियां उनकी हताशा का प्रतीक हैं। वह भारत को नाराज नहीं करना चाहते, लेकिन साथ ही अपनी सामंती मानसिकता के कारण झुकना भी नहीं चाहते। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह दबाव में नहीं आएगा और अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। आज की तारीख में भारत अमेरिका के लिए पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। ट्रंप की नीतियां और बयानबाजी अमेरिका के लिए ही नुकसानदेह साबित हो सकती हैं। भारत ने न केवल अपनी आर्थिक और रणनीतिक ताकत का परिचय दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर दोहरे मानदंडों को बेनकाब कर एक नया संदेश भी दिया है।

अवैध मतांतरण पर बने केन्द्रीय कानून

प्रमोद भार्गव

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार आगामी शीतकालीन सत्र में मतांतरण की समस्या से निपटने के लिए एक कड़ा कानून लाने की तैयारी में है। इसके तहत दोहरा लाभ ले रहे मतांरित अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को सरकारी योजनाओं के लाभ से बाहर रखने के प्राविधान रखे जाएंगे। दरअसल इस राज्य में अवैध मतांतरण ने गंभीर समस्या उत्पन्न कर दी है। यह प्राविधान हो जाता है तो, जिस तरह से संवैधानिक व्यवस्था के चलते मतांतरण की स्थिति में अनुसूचित जातियों (एससी) के लोग आरक्षण सहित लोक कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाते हैं, उसी तरह जनजातियों के लोग भी वंचित होने लग जाएंगे।

जबकि ईसाई या मुस्लिम बने आदिवासी न केवल एसटी वर्ग का लाभ ले रहे हैं, साथ ही ईसाई के रूप में अल्पसंख्यक वर्ग की योजनाओं का भी लाभ उठा रहे हैं। राज्य सरकार इस कानूनी विसंगति को कठोर कानून बनाकर दूर करना चाहती है। इस प्रस्तावित विधेयक में बिना सूचना के मत परिवर्तन करने या कराने पर 10 वर्ष तक की सजा का प्रावधान किया जा सकता है। यह कानून छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 1968 की जगह लेगा।

एक आदिवासी नेता हुए हैं बाबा कार्तिक उरांव ! वे हमेशा हिंदुत्व के पक्षधर रहे और धर्मांतरित आदिवासियों को आरक्षण देने का विरोध करते रहे। बाबा कार्तिक उरांव तीन बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। जीवन के अंतिम समय में वे नागरिक उड्डयन एवं संचार मंत्री थे। उरांव अत्यंत प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। गुमला से मैट्रिक करने के बाद, वे ठक्कर बाप्पा के आश्रम में चले गए। उन्हीं की प्रेरणा से उरांव ने अभियांत्रिकी की कई डिग्रियां प्राप्त कीं। वे उच्च शिक्षा के लिए इंग्लैंड गए।

वहां उन्होंने नौ वर्ष बिताए। विश्व के सबसे बड़े नाभिकीय ऊर्जा का प्रारूप उन्होंने ही बनाया, जो आज हिंकले न्यूक्लियर पावर प्लांट के नाम से जाना जाता है। इंग्लैंड में उनकी भेंट जवाहरलाल नेहरू से हुई, उन्हीं के आग्रह पर वे भारत लौटे। यहाँ भारी अभियांत्रिकी निगम में काम करने लगे। 1962 में कांग्रेस के आग्रह पर, उन्होंने तत्कालीन बिहार के लोहरदगा लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन स्वतंत्रपार्टी के डेविड मुंजनी से मात्र 17000 वोटों से हार गए। 1967 में फिर से उन्होंने कांग्रेस की टिकट पर लोहरदगा से चुनाव लड़ा और वे सांसद बने।

1977 की जनता लहर का अपवाद छोड़ दें, तो अपनी मृत्यु (1981) तक वे लोहरदगा का प्रतिनिधित्व लोकसभा में करते रहे। 8 दिसंबर 1981 को संसद भवन में ही दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई थी। तब वे केंद्रीय उड्डयन और संचार मंत्री थे।

वनवासियों के ईसाई धर्मांतरण से वे क्षुब्ध थे। इसलिए 1967 में वे संसद में अनुसूचित जाति एवं जनजाति आदेश संशोधन विधेयक-1967 लाए । इस विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति ने बहुत छानबीन की और 17 नवंबर 1969 को अपनी सिफारिशें दीं।

इनमें प्रमुख सिफारिश थी, कोई भी आदिवासी व्यक्ति, जिसने जनजाति आदिवासी मत तथा विश्वासों का परित्याग कर दिया हो और ईसाई या इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया हो, वह अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं समझा जाएगा और न ही वह आदिवासियों को मिलने वाली सरकारी सुविधाओं का पात्र रह जाएगा। अर्थात धर्म परिवर्तन करने के पश्चात उस व्यक्ति को अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत मिलने वाली सुविधाओं से वंचित होना पड़ेगा। संयुक्त समिति की सिफारिश के बावजूद, एक वर्ष तक इस विधेयक पर संसद में बहस ही नहीं हुई। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर ईसाई मिशनरियों का जबरदस्त दबाव था कि इस विधेयक का विरोध करें। ईसाई मिशन के प्रभाव वाले 50 संसद सदस्यों ने इंदिरा गांधी को पत्र दिया कि इस विधेयक को खारिज कर दें । कांग्रेस में रहते हुए इस मुहिम के विरोध में अपने राजनीतिक भविष्य को दांव पर लगाकर कार्तिक उरांव ने 10 नवंबर को 322 लोकसभा सदस्य और 26 राज्यसभा सदस्यों के हस्ताक्षरों का एक पत्र इंदिरा गांधी को दिया, जिसमें यह जोर देकर कहा गया था की वे विधेयक की सिफारिशों का स्वीकार करें, क्योंकि यह तीन करोड़ वनवासियों के जीवन-मरण का प्रश्न हैं। किंतु ईसाई मिशनरियों के दबाव में इस विधेयक को ठंडे बस्ते में डाल दिया। आदिवासी बाहुल्य छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं कार्तिक उरांव की प्रेरणा से इस विसंगति को दूर करने की तैयारी में है।

झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और मध्य-प्रदेश के ढालसिंह बिसेन ने संसद में कहा था कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन का चलन लगातार बढ़ रहा हैं। दरअसल संविधान के अनुच्छेद-342 मेंधर्म परिवर्तन के संबंध में अनुच्छेद-341 जैसे प्रावधान में लोच है। 341 में स्पष्ट है कि अनुसूचित जाति (एससी) के लोग धर्म परिवर्तन करेंगे तो उनका आरक्षण समाप्त हो जाएगा। इस कारण यह वर्ग धर्मांतरण से बचा हुआ है। जबकि 342 के अंतर्गत संविधान निर्माताओं ने जनजातियों के आदि मत और पुरखों की पारंपरिक सांस्कृतिक आस्था को बनाए रखने के लिए व्यवस्था की थी कि अनुसूचित जनजातियों को राज्यवार अधिसूचित किया जाएगा। यह आदेश राष्ट्रपति द्वारा राज्य की अनुशंसा पर दिया जाता है। इस आदेश के लागू होने पर उल्लेखित अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान सम्मत आरक्षण के अधिकार प्राप्त होते हैं। इस आदेश के लागू होने के उपरांत भी इसमें संशोधन का अधिकार संसद को प्राप्त है। अनुच्छेद 341 के अनुसार अनुसूचित जातियों के वही लोग आरक्षण के दायरे में हैं, जो भारतीय धर्म हिंदू, बौद्ध और सिख अपनाने वाले हैं। गोया, अनुच्छेद-342 में 341 जैसे प्रावधान हो जाते हैं, तो अनुसूचित जनजातियों में धर्मांतरण की समस्या पर स्वाभाविक रूप से अंकुश लग जाएगा।

संविधान के अनुच्छेद 15 के अनुसार धर्म, जाति,लिंग और जन्म स्थान के आधार पर राष्ट्र किसी भी नागरिक के साथ पक्षपात नहीं कर सकता। इस दृष्टि से संविधान में विरोधाभास भी हैं। संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950, जिसे प्रेसिडेंशियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में अन्य धर्म समुदायों के दलित और हिंदू दलितों के बीच एक स्पष्ट विभाजक रेखा है, जो समता और सामाजिक न्याय में भेद करती है। इसी तारतम्य में पिछले 60 सालों से दलित ईसाई और दलित मुसलमान संघर्षरत रहते हुए हिंदू अनुसूचित जातियों को दिए जाने वाले अधिकारों की मांग करते चले आ रहे हैं। इस बाबत रंगनाथ मिश्र की रिपोर्ट ने इस भेद को दूर करने की पैरवी की थी। लेकिन संविधान में संशोधन के बिना यह संभव नहीं था। 2015 में सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा था कि एक बार जब कोई व्यक्ति हिंदु धर्म या मत छोड़कर ईसाई या इस्लाम धर्मावलंबी बन जाता है तो हिंदु होने के चलते उसके सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से कमजोर होने की अयोग्ताएं समाप्त हो जाती हैं। लिहाजा उसे संरक्षण देना जरूरी नहीं है। इस लिहाज से उसे अनुसूचित जाति का व्यक्ति भी नहीं माना जाएगा। अतएव मतांतरण रोकने के लिए इस तरह का कानून अब छत्तीसगढ़ में ही नहीं पूरे देश के लिए संसद के माध्यम से लाना अनिवार्य हो गया है।

स्कूली इमारतों के निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश जारी कर स्कूलों में बच्चों से जुड़ी संरचनाओं तथा सुरक्षा तंत्र का ऑडिट करना अनिवार्य कर दिया है। यह कदम राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में एक सरकारी स्कूल की इमारत का हिस्सा गिरने के मद्‌नेनजर उठाया गया है। गौरतलब है कि 25 जुलाई को हुए इस हादसे में सात बच्चों की मौत हो गई और 28 अन्य घायल हो गए थे। इसे देखते हुए शिक्षा मंत्रालय ने स्कूली इमारतों में संरचनात्मक समग्रता, अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास और बिजली के तारों का गहन मूल्यांकन करने को कहा है।

कर्मचारियों और छात्रों को आपातकालीन तैयारियों का प्रशिक्षण, जिसमें निकासी अभ्यास, प्राथमिक उपचार और सुरक्षा प्रोटोकॉल शामिल हों, सुनिश्चित करने को भी कहा है। हाल के समय में स्कूलों में कई दुखद घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई छात्र असमय काल के गाल में समा गए। जाहिर है कि यह कदम काफी देर से उठाया गया है, लेकिन निश्चित ही सराहनीय है, जिसमें नौनिहालों के जीवन को लेकर सरकार की संजीदगी का पता चलता है।

राज्यों के सार्वजनिक निर्माण विभाग और पंचायती स्तर पर स्कूली इमारतों के निर्माण कराए जाते हैं। जरूरी है कि निर्माण गुणवत्तापूर्ण हों। निर्माण सामग्री घटिया न हो। इसके लिए इन विभागों में निगरानी तंत्र होता है। यदि कोई इमारत मियाद पूरी करने से पहले ही जर्जर होकर धराशायी होने के कगार पर जा पहुंची है, तो निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल के साथ ही लापरवाही और सरकारी धन की बंदरबांट बड़े कारण हो सकते हैं।

इसलिए जरूरी है कि स्कूली इमारतों में निर्माण के स्तर पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। ऐसा होता है तो इस प्रकार की दर्दनाक घटनाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। सरकार के ही कई विभाग हैं, जो अपने लिए जरूरी निर्माण कार्य अपने तई विभाग गठित करके पूरा कराते हैं। इन विभागों का प्रमुख दायित्व निर्माण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करना होता है यानी अपनी नजरों के सामने निर्माण कराए जाने को तरजीह दी जाती है। यहां तो मसला होनहारों का है, जिन्हें किसी भ्रष्टाचार का शिकार नहीं होने दिया जा सकता। अच्छी बात है कि सरकार ने सभी स्कूली इमारतों की सुरक्षा जांच को कहा है। यह भी जरूरी है कि असुरक्षित स्थितियों पर सतत कड़ी नजर रखी जाए।

सब सोशल मीडिया और सियासी मक्खियों की कयासी भिनभिनाहट

हरिशंकर व्यास

सन् 2025 की 15 अगस्त का समय कुछ अजीब है! सोशल मीडिया में भारत की भीड़ और मक्खियों की ऐसी भिनभिनाहट है जैसे उनमें गुर्दा बन रहा हो तथा परिवर्तन अवश्यंभावी हो। तरह-तरह की भिनभिनाहट और पतंगबाजी है! सोचें, जगदीप धनखड़ पर भी पतंगबाजी! वही नरेंद्र मोदी के 75 वर्ष के होने को ले कर अग्रिम पतंगबाजी तो मोहन भागवत के रिटायर होने की भी पतंगबाजी!

दरअसल पिछले ग्यारह वर्षों में नरेंद्र मोदी का यह सबसे बड़ा योगदान है जो भारत को, उसकी भीड़, मधुमक्खियों को सत्ता का वह छत्ता बॉक्स उपलब्ध करा दिया है, जहां शहद भरा पड़ा है और प्रधानमंत्री नियंत्रक हैं। सो, मधुमक्खियों का धर्म, कर्म, अस्तित्व का आधार है जो वह उड़े, भीड़ को डंक मारे, चूसे और ब्रूड चैंबर में रमी रहे। तभी डीप सुपर के रस-स्वाद में डूबी हुई कई मक्खियों में गुमान बनता है कि उन्हीं की बदौलत भारत की माया है। उन्हीं से भारत है!

तभी देखिए, सोशल मीडिया दूध से मक्खी की तरह धकियाए जगदीप धनखड़ को शूरवीर करार दे रही है! कांग्रेस उनको महान बता रही है तो सोशल मीडिया में पतंगबाजी है कि धनखड़ ने हिम्मत दिखाई, अपनी नाराजगी दिखाई, जिसे नरेंद्र मोदी बरदाश्त नहीं कर पाए। इतना ही नहीं धनखड़ के नाम पर आगे उनके सत्यपाल मलिक बनने या सियासी उथलपुथल की पतंगबाजी भी!

ऐसे ही यह भी पतंगबाजी कि सितंबर में 75 वर्ष के होने पर मोहन भागवत रिटायर होंगे। और वे हुए तो उनके बाद सितंबर में 75 वर्ष के होते ही नरेंद्र मोदी भी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। यदि उन्होंने नहीं दिया तो नितिन गडकरी नैतिक आधार पर इस्तीफा देंगे। तब नरेंद्र मोदी के लिए पद पर बना रहना मुश्किल होगा! या फिर यह पतंगबाजी कि योगी आदित्यनाथ को केंद्रीय कैबिनेट में शामिल किया जा रहा है और अमित शाह उत्तर प्रदेश में ओबीसी चेहरे को मुख्यमंत्री बनवाने वाले हैं ताकि बिहार के ओबीसी वोटों को मैसेज जाए! या यह कयास कि अमित शाह हर हाल में भाजपा का अध्यक्ष अपना भरोसामंद बनाएंगे। और सितंबर वह महीना होगा, जब संघ परिवार कांग्रेस की दशा को प्राप्त होगा। भाजपा विभाजित होगी। एक नई भाजपा-एन (नरेंद्र मोदी) बनेगी और आरएसएस अंततः आर्यसमाज, कंबीरपंथियों जैसे संगठन की नियति को प्राप्त होगा।

एक भी किसी बात में दम नही है! सब सोशल मीडिया और सियासी मक्खियों की कयासी भिनभिनाहट है। नोट कर लें सितंबर में कोई भूचाल नहीं आना है। 75 वर्ष के हो जाने के बाद भी मोहन भागवत रिटायर नहीं होंगे। वे विजयादशमी के दिन संघ के सौ साल के पूरे होने के उत्सव की सलामी लेंगे। और सन् 2026 की प्रतिनिधि सभा तक अपने स्वास्थ्य के हवाले कतई जगदीप धनखड़ नहीं होने वाले।

और नरेंद्र मोदी का जहां सवाल है वे अपनी कमान में भाजपा को अगला लोकसभा चुनाव लड़वाएंगे। नोट रखें उसके बाद शपथ भी लेंगे। वे अमित शाह को प्रधानमंत्री नहीं बनाने वाले। ऐसे ही यह भी नोट रखें कि योगी आदित्यनाथ 2027 का उत्तर प्रदेश चुनाव लड़वाते हुए वापिस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। और यह भी भूल जाएं कि संघ-मोहन भागवत अपने किसी उपयुक्त चेहरे को भाजपा का अध्यक्ष बना सकते हैं। जो होगा वह नरेंद्र मोदी की पसंद, अनुकूलता से होगा। इसलिए क्योंकि वे ही सत्ता का छज्जा, शहद का 'ब्रूड चैंबर' हैं। उन्हीं से संघ को शहद है सत्ता की गंगोत्री में पुण्य की डुबकियां है! मोदीजी वे आराध्य हैं जो अडानी, अंबानी जैसे जगत सेठों के स्वामी हैं तो जगतशक्तियों याकि चीन, पाकिस्तान, अमेरिका, ब्रिटेन आदि के लिए आदर्शतम प्रधानमंत्री हैं।

सोचें, पिछले ग्यारह वर्षों में 140 करोड़ लोगों की भीड़ का सबसे बडा लाभार्थी कौन है? मेरा मानना है कि नंबर एक पर चीन है। सात मई 2025 के बाद नंबर दो पर पाकिस्तान (फिर जिंदा हुआ) है। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटेन से लेकर बांग्लादेश जैसा हर वह देश भी लाभार्थी है जो हर मनचाहा स्वार्थ भारत से पूरा कर रहा है या भारत को आंखें दिखा रहा है। नोट रखें मेरे इस आंकलन को कि मोदी सरकार ने सात मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर से चीन को यह दो टूक अहसास करा दिया है कि जब चाहे वह 22 घंटों के अपने सैनिक ऑपरेशन से उत्तर-पूर्व भारत को हजम कर सकता है! मतलब दुनिया के आगे 140 करोड़ लोगों के सैनिक सामर्थ्य से लेकर आर्थिक, सामाजिक, जनसंख्यात्मक बल की वह पोल खुल गई है, जिससे भारत में यथास्थिति बना रहना अडानी-अंबानी जैसे जगत सेठों से लेकर जगतशक्तियों का आदर्शतम स्वार्थ है। दुनिया की ताकतों के लिए दो लोगों की उंगली पर टिके 140 करोड़ लोगों के पहाड़ से बेहतर लाभदायी स्थिति दूसरी है ही नहीं!

तभी कुछ नहीं होना है। दो लोगों ने भारत की भीड़ को राशन या दो-चार हजार रुपए बांट कर सत्ता के छज्जे का लाभार्थी बना कर न केवल गुलाम बनाया है, बल्कि बुद्धि का स्थायी हरण भी कर लिया है। तभी दुनिया ऐसे कमाल के प्रधानमंत्री को सम्मान दे कर, गले लगा कर, अपनी शर्तों पर व्यापार सौदे करके बाजार का मुनाफा कमाते हुए भारत को जो लूटे रही है वह कथा अनंता की इतिहासजन्य हकीकत का इक्कीसवीं सदी की नई कहानी है। यही ग्यारह वर्षों की मोदी सरकार की नंबर एक उपलब्धि है!

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी के सियान सदन में 'बोन एंड जॉइंट वीक' स्वास्थ्य जागरूकता सेमिनार का आयोजन

भिलाई। इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन एवं छत्तीसगढ़ ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार बोन एंड जॉइंट वीक 2025 का आयोजन 5 अगस्त 2025 को, सियान सदन, भिलाई में किया गया। इस वर्ष सेमिनार की थीम थी हाऊ टू इम्प्रूव क्वालिटी ऑफलाइफइन ओल्ड ऐज, जिसका उद्देश्य बुजुर्गों को वृद्धावस्था में बेहतर जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में दुर्ग ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. वी.एस. बघेल, जेएलएन हॉस्पिटल सेक्टर–9 के ऑर्थोपेडिक्स विभागाध्यक्ष डॉ. रघुनंदन बिसोई तथा जिला अस्पताल दुर्ग से डॉ. विपिन जैन उपस्थित रहे। सेमिनार में लगभग 40 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में डॉ. कल्याण साहू,सीनियर कंसलटेंट डॉ. इम्युएल मैसी, डॉ. एस. घोष सहित जेएलएन चिकित्सालय की टीम की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने अपने संबोधन में वरिष्ठ नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार हेतु स्वास्थ्य–संवर्धन उपायों, नियमित स्वास्थ्य जांच, दैनिक हल्के व्यायामों एवं विशेष रूप से हड्डियों को मजबूत बनाए रखने वाले अभ्यासों पर विस्तृत चर्चा की।

हरेली उत्सव कार्यक्रम में कर्मचारी नगर में रोपे गए पौधे

दुर्ग। सावन माह के अंतिम दिन आदर्श महिला समिति द्वारा हरेली उत्सव कार्यक्रम मे निगम महापौर अलका बाघमार के अध्यक्षता मे आदर्श महिला समिति द्वारा वृक्षारोपण एवं हरेली उत्सव कार्यक्रम कर्मचारी नगर इंदु ढोक अध्यक्ष आदर्श महिला समिति द्वारा किया गया। पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत महापौर अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर ताम्रकार व समिति के सदस्यों व नागरिकों के साथ गुलमोहर, नीम सहित विभिन्न प्रजाति के रोपे पौधे कर्मचारी नगर मे पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार ने गुलमोहर और नीम सहित विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया।हमें विकास के साथ प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना चाहिए। हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह पेड़ अवश्य लगाए। उन्होंने कहा कि एक वृक्ष लगाना केवल एक पौधा रोपना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ व सुरक्षित पर्यावरण की नींव रखना है।

शिवमहापुराण कथा का समापन, पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा-

संसार में हम किसी को नहीं बदल सकते, हमें स्वयं को बदलना पड़ेगा

- शिवमहापुराण कथा के अंतिम दिन कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने दया सिंह को आयोजन के लिए साधुवाद दिया
- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी दया सिंह की सावन माह में पवित्र आयोजन और सुंदर व्यवस्था के लिए सराहना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जयंती स्टेडियम मैदान सिविक सेंटर में चल रही शिवमहापुराण कथा के अंतिम दिन अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि संसार में हम किसी को नहीं बदल सकते, व्यक्ति को स्वयं बदलना पड़ता है। पिछली बार की कथा में अनेकों लोगों ने कथा पंडाल से ही शराब, सिगरेट, गुटखा, मांस सेवन आदि का त्याग करने का संकल्प लिया था। ये किसी के कहने पर नहीं हुआ, उनके अंदर कि आवाज से, शिव की भक्ति से यह संभव हुआ। पंडित प्रदीप मिश्रा ने आयोजन समिति के प्रमुख बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष दया सिंग को दो वर्षों से लगातार भिलाई में शिवमहापुराण का आयोजन कर लाखों भक्तों का उद्धार करने पर बहुत बहुत साधुवाद दिया।

दया सिंह ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी का आभार जताया

आयोजन समिति के प्रमुख दया सिंह ने कहा कि जिस तरह देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सनातन धर्म की रक्षा के लिए, राष्ट्र को मजबूत करने का बीड़ा उठाकर कार्य कर रहे हैं, उसी तरह छत्तीसगढ़ प्रदेश में भी माननीय विष्णुदेव साय की सरकार में सनातन धर्म की रक्षा के साथ ही सुशासन आया है। दया सिंह जी ने इस सात दिवसीय शिवमहापुराण कथा के आयोजन में सहयोग के लिए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम के अधिकारी कर्मचारियों, सफाई कमचारियों, सभी वालंटियर्स, pwd,PHE, BSP avm बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के सम्मानित कार्यकर्ताओं, मीडियाकर्मियों सहित सभी भक्तों माताओ, बहनो का दिल से आभार जताया और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि पहली बार भिलाई में दया सिंह ने 5 भव्य पंडाल बनाया, जहां लाखों भक्त आराम से कथा श्रवण कर रहे हैं। दया सिंह को बहुत बहुत साधुवाद। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि मानव जीवन में दुख, तकलीफ परेशानी आती रहती है, लेकिन यदि वह अपने श्रेष्ठ कर्म को छोड़ देते हैं, तो परेशानियां भी एक दिन पीछा छोड़ जाती है। मनुष्य का विश्वास अडिग हो गया तो भोले बाबा को बंजर भूमि को भी हरी करना पड़ता है। लोग दिन भर कई इल्ज़ाम लगाते रहते है, लेकिन हम तो केवल बाबा का गुणगान करते हैं। एक बात याद रखें बाबा की भक्ति के साथ साथ जमकर मेहनत करने परिश्रम करने से सफलता अवश्य मिलती है।

आयोजन में ये रहे उपस्थित: इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी कौशल्या देवी साय, विधायक अहिवारा डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, महापौर भिलाई नीरज पाल, संभाग आयुक्त एसएन राठौर, आईजी आरजी गर्ग, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल एवं अन्य अधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में लाखों श्रद्धालु उपस्थित थे।

भगवान महादेव की कृपा छत्तीसगढ़ वासियों पर बरसती रहेः विष्णुदेव साय

कथा के अंतिम दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पत्नी कौशल्या देवी साय के साथ शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने कथा वाचक पं. मिश्रा और व्यास पीठ से जुड़े संत जनों का छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से स्वागत एवं अभिवादन किया। उन्होंने आयोजन समिति के प्रमुख दया सिंग तथा समस्त शिव भक्तों व श्रद्धालुओं को पवित्र श्रावण मास की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने भी दया सिंह को सावन माह में यह पवित्र आयोजन करने के लिए साधुवाद दिया। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि इस्पात नगरी भिलाई में विगत सात दिनों से शिव महापुराण कथा की अविरल धारा बह रही है। उन्होंने कहा समापन दिवस पर कथा में शामिल होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

कोई हमे केवल प्रेरित कर सकता है, बदलाव हमे स्वयं से लाना है

पंडित मिश्र ने कहा कि पुलिस प्रशासन हमेशा हेलमेट लगाकर गाड़ी चलाने, नशा करके गाड़ी मत चलाओ, वह केवल प्रेरित कर रही है। उसमें पुलिस का कोई फायदा है, फायदा केवल आपका है। इससे आप ही दुर्घटना से बचेंगे। जान बचेगी। गायत्री परिवार वाले हमेशा कहते हैं कि हम बदलेंगे, युग बदलेगा। लेकिन आज की दिया उल्टी चल रही है। इसी तरह यदि आप धन का, जान का नशा करके चलोगे तो एक्सीडेंट होगा ही। इसलिए इन सब का अहंकार कभी मत करो।

रक्षाबंधन से पूर्व हुआ भाईचारे और स्नेह का भावपूर्ण आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रिसाली स्थित सामरिक मुख्यालय, महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल (स्पेशल–ऑप्स), छत्तीसगढ़ में एक भावनात्मक एवं सौहार्दपूर्ण रक्षाबंधन पूर्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बहन प्राची दीदी के नेतृत्व में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों को तिलक लगाकर राखी बाँधी और उनके सेवा, त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान प्रकट किया। इस कार्यक्रम में सामरिक मुख्यालय, महानिरीक्षक सीमा सुरक्षा बल (स्पेशल–ऑप्स) छत्तीसगढ़ के महानिरीक्षक आनंद प्रताप सिंह, भारतीय पुलिस सेवा, सहित सीमा सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। बहनों ने सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों के प्रति अपने स्नेह और विश्वास को अभिव्यक्त करते हुए उन्हें मिठाई खिलाई और रक्षा सूत्र बाँधकर आत्मीयता का भाव स्थापित किया। सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों ने भी बहनों के इस प्रेम और सम्मान को विनम्रता से स्वीकार करते हुए राष्ट्र सेवा में अपने दायित्वों के प्रति संकल्प दोहराया। आयोजन का संपूर्ण वातावरण भावनाओं, देशभक्ति और भाईचारे से ओतप्रोत रहा।

समापन पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने सभी अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों को आध्यात्मिक आशीर्वाद देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुरक्षित सेवा जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों ने इस आत्मीय आयोजन के लिए ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय का आभार प्रकट किया और कहा कि यह आयोजन हम सभी के मनोबल को और अधिक ऊँचा करता है तथा इसे सदैव स्मरण रखा जाएगा।

श्रीचित्रगुप्त मंदिर में सावनोत्सव श्वेता बनी तीज क्वीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेक्टर–6 स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर समिति की महिला इकाई द्वारा सावन तीज मिलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नृत्यगीतों के साथ ही महिलाओं के लिए रैम्प वॉक का भी आयोजन किया गया। सावन तीज क्वीन का ताज श्वेता श्रीवास्तव को दिया गया. डॉ अलका दास एवं सविता लाल क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय रनर अप रहीं। संयुक्त महिला समिति की अध्यक्ष अनुजा अग्रवाल एवं डॉ दीप्ति राठौर ने निर्णायकों की भूमिका अदा की।

चित्रांशी महिला समूह की प्रमुख सपना श्रीवास्तव ने बताया कि सौन्दर्य प्रतियोगिता में रैम्प वॉक के साथ ही प्रश्नोत्तरी राउंड का भी आयोजन किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कारों के अलावा सभी शेष प्रतिभागियों को भी खिताब दिये गये। इनमें ज्योत्सना सिन्हा को बेस्ट स्माइल, रूबी लाल एवं लता श्रीवास्तव को सॉबर लुक, स्वाति श्रीवास्तव को ब्रेस्ट ड्रेसअप, गरिमा श्रीवास्तव को बेस्ट मेकअप, पूजा सिन्हा को एनर्जेटिक, जूली सिन्हा को मिसेज हरीभरी, दीपाली श्रीवास्तव को बेस्ट हेयर स्टाइल, रेखा श्रीवास्तव एवं मोनिका श्रीवास्तव को मोस्ट कांफिडेंट, सिद्धि प्रसाद को अट्रैक्टिव फेस, प्रियंका श्रीवास्तव को ग्रेसफुल, मंजू श्रीवास्तव को बेस्ट पर्सनालिटी, कंचन सक्सेना को ओल्ड इज गोल्ड, नीलू श्रीवास्तव को लवली बैंगल्स, नीलू श्रीवास्तव को मोस्ट एलीगेंट तथा मनीषा श्रीवास्तव को सिम्पल एंड शाइनी खिताबों से नवाजा गया।

बाल बैडमिंटन प्रतियोगिता में गरियाबंद ने महासमुंद को हराया, समापन आज

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 25वी छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सीनियर बॉल बैडमिंटन पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता का आयोजन, दिनांक 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 तक, भिलाई के बीएसपी बॉल बैडमिंटन कंपलेक्स, सेक्टर- 4 में किया जा रहा, जिसमें पुरुष वर्ग में 18 टीमें एवं महिला वर्ग में 14 टीमें भाग ले रही है।

प्रतियोगिता के प्रथम दिन शानदार मुकाबले खेले गए। महिला वर्ग में कबीरधाम का मुकाबला रायपुर के साथ हुआ जिसमें कबीरधाम ने 35-09 और 35-21 से जीत हासिल की, महासमुंद का गरियाबंद के साथ आमना सामना हुआ जिसमें महासमुंद में 35-18 और 35-21 से मैच को जीता, दुर्ग जिला गरियाबंद जिला का आमना-सामना हुआ जिसमें गरियाबंद जिला में 35-05 और 35-17 से मैच को जीता, धमतरी का मुकाबला बलौदा बाजार से हुआ इसमें धमतरी ने 35-22 एवं 35-37 से जीत हासिल की।

पुरुष वर्ग में धमतरी का मुकाबला बस्तर से हुआ जिसमें धमतरी ने 31-35, 35-28 एवं 35-31 से जीत हासिल की गरियाबंद कॉरपोरेशन का सामना रायगढ़ से हुआ जिसमें गरियाबंद कॉरपोरेशन ने 35-37 35-29 एवं 26-35 से मैच को जीता, एनएमडीसी का मुकाबला गरियाबंद जिला से हुआ जिसमें एनएमडीसी ने 37-35 28-35 एवं 36-34 से मैच को जीता,महासमुंद का मुकाबला बलौदा बाजार से हुआ महासमुंद ने 33-35, 35-12 एवं 35-25 से जीता लिया।

सक्षम, समर्थ एवं समृद्धि सेल स्तरीय प्रबंधन एवं व्यवसाय क्विज का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई निवास में 5 अगस्त 2025 को सेल स्तरीय मैनेजमेंट एवं बिजनेस क्विज़ (एमबीक्यू) 2025 का शुभारंभ हुआ। यह प्रतिष्ठित दो दिवसीय प्रतियोगिता इस वर्ष भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन–ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग (एचआर एलएंडडी) द्वारा आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के तीन प्रमुख वर्ग 'सक्षम', 'समर्थ' एवं 'समृद्धि' के अंतर्गत सेल की विभिन्न इकाइयों से कुल 34 दो–सदस्यीय टीमें भाग ले रही हैं।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (एचआर) पवन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (एचआर) संदीप माथुर, मुख्य महाप्रबंधक उत्पल दत्ता सहित भिलाई इस्पात संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस वर्ष की क्विज़ सत्रों का संचालन प्रतिष्ठित क्विज़ मास्टर्स पैनल द्वारा किया जा रहा है, जिसमें पूर्व हेड (एचआर - अलायंसेज़ टेक.) उमेश कामथ, पूर्व निदेशक (शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफइंडिया) एवं पूर्व कार्यपालक निदेशक (सेल) एसपीएस जग्गी, तथा पूर्व महाप्रबंधक एवं एचओडी जेकब कुरियन शामिल हैं। अपने अनुभव और विशेषज्ञता से ये क्विज़ मास्टर्स प्रतियोगिता को ज्ञानवर्धक बना रहे हैं।

अपने उद्घाटन संबोधन में कार्यपालक निदेशक पवन कुमार ने कहा कि इस सेल स्तरीय मैनेजमेंट एवं बिजनेस क्विज़ जैसी प्रतियोगिताएँ संगठन के श्रेष्ठतम प्रतिभाओं और तेजस्वी मस्तिष्कों को देखने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करती हैं।

उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी ऐसी ज्ञानवर्धक गतिविधियों में सक्रिय रहते हैं, वे अपने पेशेवर दायित्वों में अवश्य उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं और संगठन की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

पवन कुमार ने सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा विष्वास व्यक्त किया कि यह दो दिवसीय आयोजन प्रतिभागियों और क्विज़ मास्टर्स के बीच सार्थक संवाद एवं सीखने के अनेक अवसर प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह की शुरुआत महाप्रबंधक प्रभारी (एचआर एलएंडडी) एस.के. श्रीवास्तव के स्वागत भाषण से हुई। कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (एचआर स्टील) शालिनी चैरसिया ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक मुकुल सहारिया द्वारा प्रस्तुत किया गया।

उल्लेखनीय है कि 'सक्षम' श्रेणी विशेष रूप से कार्यपालकों के लिए है, जो प्रबंधन, व्यवसाय और कॉर्पोरेट ज्ञान पर कन्द्रित होती है। 'समर्थ' श्रेणी गैर–कार्यपालक कर्मचारियों के लिए है, जो व्यवसायिक जागरूकता, रणनीतिक सोच और सेल से संबंधित विकास पर केंद्रित है। वहीं, 'समृद्धि' महिला कर्मचारियों के लिए विशेष श्रेणी है, जो प्रबंधन और व्यवसाय क्षेत्र में ज्ञान और आत्मविष्वास प्रदर्शित करने हेतु एक समर्पित मंच प्रदान करती है। तीनों ही श्रेणियों की प्रतियोगिताएँ चरणबद्ध स्वरूप में आयोजित होती हैं, जिनकी शुरुआत संयंत्र एवं इकाई स्तर की लिखित एवं मौखिक प्रारंभिक प्रतियोगिताओं से होती है और अंत में सेल स्तर की कॉर्पोरेट फाइनल में पहुँचती है। इन फाइनल में प्रबंधन, व्यवसाय, सामयिक घटनाक्रम और सेल की पहलों पर आधारित विभिन्न थीम्ड राउंड शामिल रहते हैं।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

33 साल बाद मिले 125 दोस्त, बना गोल्डन बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स

रायपुर। फ्रेंडशिप डे, 3 अगस्त 2025 को दुर्गा महाविद्यालय के बी.कॉम. 1992 बैच का महाकुंभ रियूनियन 2025 होटल बेबीलॉन कैपिटल में ऐतिहासिक भव्यता के साथ आयोजित हुआ। आयोजक राजेश वासवानी ने बताया कि इस रियूनियन की प्रेरणा यशेष रायचुरा से मिली, जिन्होंने 33 साल पहले के 320 छात्रों में से 220 से अधिक को खोजकर एकजुट किया। वे इस आयोजन के कर्णधार रहे।

कार्यक्रम में 11 प्रोफेसर्स और 3 महिला प्रोफेसर्स की उपस्थिति ने इसे खास बनाया। बैक टू कॉलेज सत्र में प्रो. अनिल कालेले ने स्किल कम्युनिकेशन पर व्याख्यान दिया। इस अनूठे आयोजन को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया, जो इसकी स्वर्णिम उपलब्धि है। देश-विदेश से आए 125 पूर्व छात्र-छात्राएं (90 पुरुष, 35 महिलाएं) भावुकता और उत्साह से सराबोर रहे। पहले सत्र में प्रोफेसर्स का सम्मान शाल, श्रीफल और उपहारों से हुआ। यशेष रायचुरा ने दिवंगत शिक्षकों और सहपाठियों को श्रद्धांजलि दी। स्नेहभोज के बाद प्रोफेसर्स की भावभीनी विदाई हुई। दूसरे सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गेम्स, सिंगिंग और डांस ने माहौल को उल्लासमय बनाया। तृप्ति खंडेलवाल, पुनीता लखवानी और ममता जोशी के नेतृत्व में डांस प्रदर्शन हुआ। कानपुर की कवयित्री गुरमीत कौर ने अपनी कविता से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन में राजेश वासवानी, गिरीश दुबे, शरद गोयल, किशोर गांधी, सतीश वासवानी, अनिल नचरानी, जयेश पिथालिया, सुनील लालवानी, अविनाश सलूजा, चंद्रशेखर पाण्डेय, संजय छाबरिया, टी.पी. शास्त्री (अफ्रीका), सुनील साहू और दर्पण सचदेव जैसे नामचीन हस्तियों ने हिस्सा लिया। सभी को ग्रुप फोटोफ्रेम, रिटर्न गिफ्ट्स और स्नेहवस्तुएं भेंट की गईं। होटल बेबीलॉन कैपिटल के मालिक परमजीत सिंह खनूजा के सहयोग से आयोजन भव्य हुआ। संचालन में रजनीश मटरेजा, सतेंद्र सिंह भाटिया, मंजू वैद्य, ममता जोशी, महेन्द्रपाल सिंह, गोपी लालवानी, परमजीत कालरा और संजय काले की भूमिका उल्लेखनीय रही। यह रियूनियन पुरानी यादों को ताजा करने और दोस्ती के बंधन को मजबूत करने का अविस्मरणीय अवसर बना।

सिंधु यूथ और झूलेलाल नवयुवक संघ ने एकत्र किए 250 यूनिट रक्त

रायपुर। सिंधु यूथ एसोसिएशन और श्री झूलेलाल नवयुवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रक्तदान शिविर में समाज का उत्साहपूर्ण सहयोग मिला। एमएम स्कूल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 250 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि और युवाओं ने इसमें सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

प्रमुख रूप से महात्मा आनंदपुर कुटीया, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, चेंबर ऑफकॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी, वरिष्ठ समाजसेवी अजीत कुकरजा, समाजसेवी आनंद कुकरजा, पार्षद अमर गिदवानी और सचिन मेघनानी, श्री झूलेलाल नवयुवक संघ के अध्यक्ष महेश आहूजा, सिंधु यूथ एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश हरजानी, एमएम स्कूल के डायरेक्टर मयूर थौरानी और मीडिया प्रभारी गौरव मंधानी उपस्थित रहे।

शिविर में रक्तदाताओं का उत्साह देखते ही बनता था। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित किया गया। डॉक्टर्स और ब्लड बैंक की टीम का भी सार्वजनिक अभिनंदन हुआ, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। महेश हरजानी ने कहा कि रक्तदान जैसे कार्य समाज में जागरूकता और एकता को बढ़ाते हैं। मयूर थौरानी ने स्कूल की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। श्रीचंद सुंदरानी ने युवाओं की सक्रियता की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

महापौर चौबे ने डंगनिया जलागार मरम्मत कार्य का लिया जायजा

सुगमता से पेयजल उपलब्ध करवाने निगम ने वार्ड 41 और 42 क्षेत्र में 15 पानी टैंकर लगवाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर निगम रायपुर के जोन 5क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 41 और 42 क्षेत्र के नागरिकों को विगत दो दिन पूर्व से डंगनिया जलागार का वाल्व अचानक खराब होने पर जलआपूर्ति प्रभावित रही। वाल्व बनाकर जलआपूर्ति की गयी, तो वार्ड 41 और 42 में पेयजल नहीं पहुंचा कारण कि टंकी का बटरफ्लाई वाल्व तकनीकी रूप से खराब होने के चलते पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो गयी थी। इस कारण क्षतिग्रस्त पाईप लाईन विगत रात्रि रात भर निगम जोन 5 और जल विभाग की टीम द्वारा सुधार का कार्य लगातार जारी रहा। इस कार्य की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने अधिकारियों से जानकारी लेकर मॉनिटरिंग की और आवश्यक निर्देश दिए।

पेयजल आपूर्ति अनिवार्य सेवा है, अगली बार पेयजल समस्या आने पर वहाँ तत्काल तकनीकी रूप से दक्ष अमला ड्यूटी पर लगाया जाए

नगर निगम जल विभाग द्वारा जोन 5 के वार्ड 41 और 42 के क्षेत्र के रहवासी नागरिकों को पेयजल सुगमता से उपलब्ध करवाने 15 पानी टैंकरों को लगवाया गया। बटर फ्लाइ वाल्व की तकनीकी खराबी को सुधारने जारी कार्य का महापौर मीनल चौबे ने वहाँ पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया और अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर शीघ्र कार्य पूर्ण करवाने निर्देशित किया। कार्य पूर्ण करके डंगनिया जलागार में पर्याप्त जलभराव करके महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर संध्या पौने 7 बजे पेयजल आपूर्ति व्यवस्था बहाल कर दी गयी और इससे वार्ड 41 और 42 क्षेत्र के घरों में पर्याप्त जलआपूर्ति सुनिश्चित हुई।

महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि पेयजल अनिवार्य सेवा है। अगली बार जब पेयजल समस्या आये तो वहां तत्काल सुधार कार्य पर तकनीकी रूप से दक्ष अमले की ड्यूटी लगाई जाये, ताकि पेजयल समस्या का वहां त्वरित समाधान हो और नागरिकों को राहत शीघ्र मिले।

सड़क पर पशु छोड़ने वाले मालिकों पर रायपुर नगर निगम जोन आयुक्त ने दिखाई सख्ती

समझाईश के बाद भी सड़क में पशु छोड़ने पर कार्यवाही के लिए थाने में की शिकायत दर्ज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 1 कार्यालय में जोन 1 कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवशी ने जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमलाल देवांगन की उपस्थिति में जोन 1 के सभी 7 वार्डों के सभी पशुपालको की बैठक लेकर उन्हें आवारा पशुओं के कारण सड़को पर हो रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के पालन में राज्य शासन और जिला प्रशासन के निर्देश पर प्रतिदिन की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया। जोन 1 कमिश्नर ने सभी पशु पालकों से अपने पशुओं को अपनी गौशालाओं में बांधकर रखने एवं सड़क पर खुले में किसी भी हालत में नहीं छोड़ने की कड़ी हिदायत दी। अन्यथा की स्थिति में विधि अनुरूप कार्यवाही करने की चेतावनी सभी पशुपालकों को दी गई है।

जोन 1 कमिश्नर ने पशु पालकों को नाली में गोबर नहीं बहाए जाने की हिदायत दी है। अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कार्यवाही कर ई-जुर्माना करने की चेतावनी दी है। जोन 1 कमिश्नर ने पशु पालकों से अपने पशुओं के गले में पट्टा लगाने के निर्देश दिये है ताकि यह जानकारी मिल सके कि सड़क पर जाने वाले पशु गौशाला के है अथवा आवारा है।

नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमलाल देवांगन ने जोन 1 के तहत खमतराई पुलिस थाना प्रभारी के पास जोन 1 क्षेत्र के तहत पशुपालक मनोज यदु द्वारा बार-बार जोन 1 स्वास्थ्य विभाग द्वारा समझाईश देने के बाद भी अपनी गौशाला के पशुओं को मार्ग में छोड़े जाने पर उनके विरूद्ध नियमानुसार प्रकिया के तहत विधि अनुरूप कार्यवाही करने जोन 1 स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिकायत दर्ज की है। नगर निगम रायपुर द्वारा राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में दिए निर्देश पर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न मुख्य सड़क मार्गों में काउकेचर की सहायता से सभी 10 जोनो के वार्डो के प्रमुख स्थानो पर लगातार अभियान चलाकर सड़क से पशुओं की घरपकड़ कर कांजी हाउस भेजा जा रहा है एवं लगातार आयुक्त के निर्देश पर सभी जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर इस कार्य की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। निगम मुख्यालय में अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय एवं नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रीति सिंह प्रतिदिन निरंतर इसकी मॉनिटरिंग कर रहे है।

रायपुर निगम ने 63 आवारा पशुओं को धरपकड़ कर भेजा गौठानों में

रायपुर। उच्च न्यायालय के आदेश के पालन में राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा - निर्देश के अनुरूप महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम के सभी 10 जोनों की टीमों द्वारा अभियान चलाकर जोन क्षेत्र के विभिन्न मुख्य मार्गों में गॉनिटरिंग करके सड़को पर आवारा पशुओ की धरपकड़ कर उन्हें गौठानो में काउकेचर वाहन से भेजे जाने की कार्यवाही प्रतिदिन निरंतर प्रगति पर है।

अभियान के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा सभी 10 जोनों में दिन भर अभियान चलाकर राजधानी शहर रायपुर निगम क्षेत्र में विभिन्न सड़क मार्गों से 63 आवारा पशुओं की धरपकड़ कर उन्हें गौठानों में भेजा। दिन भर चले अभियान की सतत मॉनिटरिंग महापौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष, आयुक्त के निर्देश पर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय और निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रीति सिंह ने की और सभी जोन कमिश्नरों ने जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर आवारा पशुओं को काऊ कैचर वाहनों की सहायता से गौठानों में भिजवाने की व्यवस्था दी। अभियान निरंतर जारी रहेगा।

सिविल अस्पताल कुरूद अब होगा 100 बिस्तरों का

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुरूद विकासखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हुई है। राज्य शासन ने कुरूद में 100 बिस्तरों वाले सिविल अस्पताल के भवन निर्माण के लिए 1784.66 लाख (रूपये सत्रह करोड़ चौरासी लाख छियासठ हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह स्वीकृति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता का स्पष्ट संकेत है। राशि स्वीकृति के आदेश आज छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मंत्रालय महानदी भवन से जारी कर दिए गए है। मुख्यमंत्री साय द्वारा बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और खेल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए व्यापक प्रावधान किए गए थे, जिनमें कुरूद को अनेक सौगातें मिलीं। 100 बिस्तरों वाले इस अस्पताल के साथ ही नर्सिंग कॉलेज की स्थापना भी प्रस्तावित है, जिससे क्षेत्रीय युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अवसर भी मिल सकेंगे। छत्तीसगढ़ी व्यंजन

कुरूद के नागरिकों के लिए यह है स्वास्थ्य सुरक्षा की बड़ी सौगात 100 बिस्तर अस्पताल भवन निर्माण की राशि स्वीकृति से कुरूद नगर और आसपास के ग्रामों में निवासरत हजारों लोगों को अब उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हो सकेंगी। अब मरीजों को गंभीर अवस्था में बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। स्थानीय नागरिकों में इस घोषणा को लेकर अत्यंत हर्ष और उत्साह है। वर्तमान में कुरूद में 50 बिस्तर अस्पताल है। जिसे उन्नयन कर 100 बिस्तर किया गया है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जानकारी दी कि जिला अस्पताल धमतरी का पुनरुद्धार शीघ्र ही शुरू होगा। 100 बिस्तरों के एक नए खंड के विस्तार का प्रस्ताव,100 सीटर प्रसूति अस्पताल और 40 बिस्तर का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है, जिसकी स्वीकृति मिलने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष के भीतर जिले के नागरिकों को नए ट्रॉमा यूनिट की सुविधा मिलने लगेगी, जिससे आपातकालीन उपचार की सेवाएं बेहतर होंगी।इस ट्रॉमा यूनिट में स्थानीय स्तर पर ही रक्त, मूत्र, थूक आदि की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे रोगों की शीघ्र पहचान, रोकथाम, टीकाकरण कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन और स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी।

इधर-उधर कचरा फेंकने पर लोगों से वसूला जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वच्छ भारत मिशन अभियान अंतर्गत महापौर मीनल चौबे स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनो के 70 वार्डो में सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों एवं जोन स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों द्वारा रामकी कम्पनी के कर्मचारियों के साथ मिलकर प्रतिदिन नागरिकों के मध्य सफाई अभियान विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर चलाते हुए नागरिकों को सफाई के प्रति जागरूक बनाया जा रहा है।

स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत आज नगर निगम जोन 3 के तहत गुरू गोविंद सिंह वार्ड क्रमांक 29 में मयूर क्लब, ठाकुरबाड़ा बस्ती क्षेत्र में स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों, जोन 3 स्वास्थ्य विभाग और रामकी कंपनी कर्मचारियों ने विभिन्न सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर कचरा उठवाकर स्वच्छता कायम की। वहीं घर-घर जाकर स्वच्छ भारत मिशन अभियान के अंतर्गत नागरिको को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने अभियान चलाया और सभी

नागरिकों को प्रतिदिन घरों का कचरा सफाई वाहन में देने की हिदायत दी, अन्यथा की स्थिति में ई जुर्माना करने की चेतावनी दी गयी, स्वच्छता दीदियों द्वारा सफाई वाहन में कचरा नहीं देकर इधर- उधर कचरा डालकर गन्दगी फैलाए जाने की जनशिकायत सही पाकर सम्बंधित 3 व्यक्तियों पर भविष्य के लिए उन्हें कड़ी चेतावनी देते हुए 700 रुपए ई जुर्माना वसूला। स्वच्छता दीदियों, सफाई मित्रों सहित निगम जोन 3 के स्वास्थ्य विभाग कर्मचारियों द्वारा नागरिकों को स्वच्छ वार्ड और बस्ती क्षेत्र का सकारात्मक संदेश दिया गया।

लाखेनगर चौक में स्वतंत्रता सेनानी वामन राव लाखे की प्रतिमा लगाने नगर निगम कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहर के लाखे नगर चौक में हनुमान जी का मंदिर सड़क चौड़ीकरण के लिए हटाया गया था परंतु उस स्थान पर सड़क चौड़ीकरण करने की बजाय सौंदरीकरण कर मैना आकृति लगाई जा रही है। कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के साथ नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन देकर लाखे नगर चौक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री वामनराव लाखे जी की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है।

नगर निगम आयुक्त से आज एक प्रतिनिधि मंडल ने भेंट कर लाखे नगर चौक जो स्व.वामनराव लाखे के नाम पर जाना जाता है उस चौक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मान देते हुए स्व. वामनराव लाखे की प्रतिमा लगाए जाने की मांग की। उल्लेखनीय है कि आजादी के बाद रायपुर में तीन स्थानों पर जय स्तंभ बनाए गए थे उनमें से एक जय स्तंभ लाखे नगर में स्वर्गीय वामन राव लाखे की याद में बनाया गया था। वामनराव लाखे छत्तीसगढ़ के

वरिष्ठतम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे। उनके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता है ,उनकी याद में लाखेनगर चौक पर उनकी प्रतिमा स्थापित करने से परंपरा अनुसार हम अपने आजादी के नायकों का सम्मान कर पाएंगे। क्षेत्र के पूर्व पार्षद गोवर्धन शर्मा ने कमिश्नर विश्वदीप से आग्रह किया कि प्रतिमा स्थापना के लिए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ करें। कमिश्नर ने आश्वस्त किया की स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान और प्रतिमा स्थापना के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। ज्ञात हो कि 16 जुलाई को भी उक्ताशय का पत्र निगम आयुक्त को दिया गया था।

प्रतिनिधि मंडल में कन्हैया अग्रवाल, गोवर्धन शर्मा, कुलदीप धारीवाल ,नरेंद्र ठाकुर, मनोज सोनकर, संदीप तिवारी, प्रीति सोनी ,शरद गुप्ता, राजेश त्रिवेदी, रवि शर्मा ,गोलू कुशवाहा सहित कांग्रेस जन शामिल थे।

कलेक्टर सिंह ने कारगिल युद्ध के नायक ब्रिगेडियर लहरी से की मुलाकात कहा-आप जैसे देशभक्त के लिए प्रशासन कंधे से कंधे मिलाकर खड़ा है

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कारगिल युद्ध के नायक ब्रिगेडियर प्रणब कुमार लहरी: जिन्होंने 1000 जवानों की जान बचाई, अब व्हीलचेयर पर हैं

कलेक्टर डॉ सिंह ने कहा कि आप जैसे देशभक्त के लिए प्रशासन कंधे से कंधे मिलाकर आपके साथ खड़ा है

रायपुर। भारत ने कारगिल की चोटियों पर तिरंगा फहराया था। इस युद्ध में जहां भारत के जवान वीरगति को प्राप्त हुए, वहीं कई गुमनाम हीरो ऐसे भी थे जिन्होंने परदे के पीछे रहकर हजारों जिंदगियों को बचाया। ऐसे ही एक वीर योद्धा हैं रायपुर के ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) डॉ। प्रणब कुमार लहरी, जिनकी बहादुरी और सेवा को देश कभी नहीं भूल सकता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर कलेक्टर डॉ। गौरव सिंह ने रायपुर स्थित उनके निवास पर पहुंचकर उन्हें शाल व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया एवं उनका हालचाल जाना। उन्होंने ब्रिगेडियर डॉ लहरी से कहा कि प्रशासन आपके साथ है। इस मौके पर जिला मेडिकल टीम ने भी उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया।

कारगिल युद्ध के दौरान ब्रिगेडियर लहरी ऑर्थोपेडिक सर्जन के रूप में श्रीनगर के 92 मिलिट्री हॉस्पिटल में तैनात थे। बंदूकें गरज रही थीं, हर ओर चीख-पुकार थी, लेकिन डॉ। लहरी ने हार नहीं मानी। दिन-रात ऑपरेशन थिएटर और बॉर्डर पर ड्यूटी करते हुए उन्होंने 1000 से ज्यादा घायल जवानों की सर्जरी की। उनके हाथों ने न केवल हड्डियाँ जोड़ीं, बल्कि सैकड़ों परिवारों की उम्मीदों को भी जोड़ कर रखा। ब्रिगेडियर डॉ। लहरी पार्किंसंस जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और व्हीलचेयर पर हैं। उम्र और बीमारी ने उनके शरीर को भले ही कमजोर कर दिया हो, पर उनकी देशभक्ति आज भी उतनी ही मजबूत है।

ब्रिगेडियर लहरी, छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद सेना मेडल पाने वाले पहले कारगिल योद्धा हैं। श्रीनगर के जिस अस्पताल में उन्होंने सर्जरी की, वहां आज भी उन पाकिस्तानी गोलियों को सहेजकर रखा गया है, जो भारतीय जवानों के शरीर से निकाली गई थीं। नमन है ऐसे सच्चे नायकों को, जो खामोशी से देश की रक्षा कर गए। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कैप्टन अनिल कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

एक पेड़ लगाना है, धरती को स्वर्ग बनाना है'

रायपुर। जिले के आरंग विकासखंड अंतर्गत राखी संकुल में राज्य शासन की पर्यावरण संरक्षण संबंधी दो महत्वाकांक्षी योजना हरियर पाठशाला के तहत वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री साय के निर्देशानुसार स्कूलों में हरियाली तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने संकुल स्तरीय आयोजन किया जा रहा है जिसके अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राखी, कायाबांधा, झांझ, नवागांव सेक्टर 29 खपरी में लगभग 500 पौधों का सामूहिक रोपण किया गया।

इंडिया चौक से पचपेड़ी नाका तक कार्रवाई

रायपुर। रायपुर निगम की महापौर मीनल चौबे, रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, निगम आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रिंग रोड नं 1 पर पहले चरण में तेलीबांधा मेक इन इंडिया चौक से पचपेडीनाका चौक तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर किये गये अवैध अतिक्रमण, कब्जा अवैध ठेले-गुमटी हटाने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण में राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता परिहार, जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता योगेश यदु उप अभियंता अजय श्रीवास्तव, रविप्रभात साहू, सेन्ट्रल उड़नदस्ता, यातायात पुलिस एवं पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में अवैध अतिक्रमण, कब्जा, अवैध ठेला गुमटियों को हटाने की कार्यवाही की गई। द्वितीय चरण में पीडब्ल्यूडी ब्रीज केनाल रोड से पचपेड़ी नाका चौक तक यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

हरियाणवी डांसर और अभिनेत्री सपना चौधरी की तस्वीरों से मिले संकेत, जल्द आएगा नया गाना या फिल्म?

हरियाणवी डांसर और अभिनेत्री सपना चौधरी अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फैन्स से जुड़ी रहती हैं। वह अपनी जिंदगी के हर अहम पल फैन्स संग साझा करती हैं। शनिवार को भी अभिनेत्री ने कुछ ऐसा ही किया। कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनका अंदाज खास था। सपना चौधरी ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह ग्रामीण परिवेश में खुले मैदानों में चुलबुले अंदाज में कभी ट्रैक्टर में बैठकर मस्ती कर रही हैं, तो कभी पेड़ों के पीछे छिपती दिखाई दे रही हैं। अभिनेत्री की तस्वीरों से अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं।

तस्वीरों को पोस्ट करते हुए सपना ने कैप्शन में लिखा, खुद में खोने दे मुर्शद अब तमाशा होने दे! सपना का यह खास अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कई यूजर्स उन्हें फायर, हार्ट और स्माइली इमोजी से कमेंट कर रहे हैं। अभिनेत्री सपना चौधरी इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। इसी कड़ी में, मई में उन्होंने एक फोटोशूट करवाया था, जिसमें वह देसी लुक में नजर आ रही थीं। सपना ने ब्राउन सूट पहना हुआ था और इस लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने बालों की चोटी बनाई थी और बड़े ईयरिंग पहने हुए थे। इस फोटोशूट के साथ सपना ने कैप्शन में लिखा था, मुझमें कोई कमी नहीं, मैं देसी हूं।

लोग अभिनेत्री को उनके देसी अंदाज के लिए पसंद करते हैं। सपना का मानना है कि आप जैसे हैं, वैसे ही सबसे खास हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सपना ने अपने करियर की शुरुआत हरियाणा के एक ऑर्केस्ट्रा टीम के साथ की थी। टीम के बाकी रागनी कलाकारों के साथ वह हरियाणा और आस-पास के राज्यों में प्रोग्राम करती थीं। सपना को पहली बार रागनी के स्टेज से इतर एक म्यूजिक वीडियो ने मशहूर बनाया। मोर म्यूजिक कंपनी के साथ उनका हरियाणवी गाना 'सॉलिड बॉडी रै' रिलीज हुआ। ये वीडियो हिट रहा और सपना सुपरहिट हो गईं।

सपना ने साल 2017 में 'बिग बॉस 11' में हिस्सा लिया। इसके बाद दुनियाभर में उनकी चर्चा होने लगी। वह टीवी शो 'लाडो- वीरपुर की मर्दानी' में भी नजर आई थीं। उसी साल उन्हें 'भांगओवर' फिल्म में आइटम डांस नंबर करने का मौका मिला। इसके बाद 2018 में वह अभय देओल की फिल्म 'नानू की जानू' में भी आइटम सॉन्ग में नजर आई थीं, इसी के साथ ही अभिनेत्री पुलकित सम्राट की फिल्म 'वीरे की वेडिंग' के गाने 'हट जा ताऊ' में भी परफॉर्म करती हुई दिखीं।

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने पोल डांस पर अपनी नृत्य कला का किया प्रदर्शन

बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने पोल डांस पर अपनी नृत्य कला का प्रदर्शन किया और कहा कि यह बेहद मुश्किल है, लेकिन इसके लायक है। जैकलीन ने इंस्टाग्राम पर बताया कि पोल डांसिंग पूरी तरह से ताकत और प्रशिक्षण पर आधारित है। वीडियो में बैकग्राउंड में स्वीडिश गायिका टोव लो का गाना हैबिट्स (स्टे हाई) बज रहा था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, पूरी ताकत और प्रशिक्षण। बेहद मुश्किल, लेकिन एक बार जब आप शुरुआत कर देते हैं, तो यह बहुत ही सार्थक होता है! सदियों बाद वापसी।

अभिनेत्री की हालिया रिलीज हाउसफुल 5 है, जिसमें अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और सोनम बाजवा भी हैं, जो पर्दे पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर भी शामिल हैं। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के बैनर तले साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित, हाउसफुल-5 6 जून को रिलीज हुई। यह फिल्म कई धोखेबाजों की कहानी है जो एक हाल ही में दिवंगत हुए अरबपति के बेटे होने का दावा करते हैं और एक लग्जरी क्रूज जहाज पर सवार होकर उसकी संपत्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं।

हाउसफुल फ्रैंचाइजी की पहली फिल्म 2010 में रिलीज हुई थी और यह 1998 की तमिल फिल्म 'कथला कथला' पर आधारित थी। दूसरी किस्त 2012 में बड़े पर्दे पर आई थी। वहीं, हाउसफुल 3 और हाउसफुल 4 क्रमशः 2016 और 2019 में रिलीज हुई।वह अगली बार वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी। अहमद खान द्वारा निर्देशित इस फिल्म का बजट काफी बड़ा है। इसमें अक्षय कुमार, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ सुनील शेट्टी, अरशद वारसी, रवीना टंडन, दिशा पटानी, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, आफताब शिवदासानी, परेश रावल, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, मीका सिंह, मुकेश तिवारी, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा और सयाजी शिंदे प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप द्वारा प्रस्तुत, 'वेलकम टू द जंगल' का निर्माण फिरोज ए नाडियाडवाला ने किया है और यह क्रिसमस सप्ताह में 20 दिसंबर को भव्य सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी ने अपनी शादी की घोषणा की

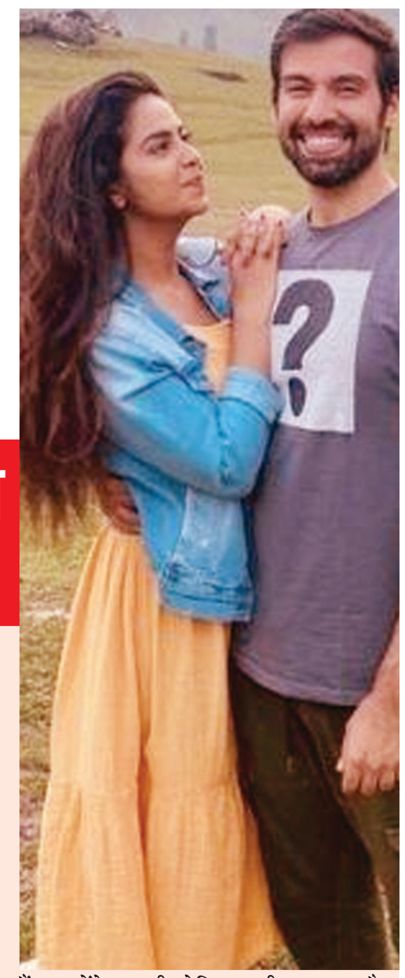

पति पत्नी और पंगा एक आगामी स्टार-स्टडेड रियलिटी शो है जो पिछले काफी समय से चर्चा में है। इस गेम शो में कई लोकप्रिय सेलिब्रिटी जोड़ियां हिस्सा ले रही हैं और दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। इनमें अविका गौर और मिलिंद चंदवानी भी शामिल हैं। अविका और मिलिंद की सगाई जून 2025 में हुई थी। अब दोनों शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। शो में इस प्यारे जोड़े ने अपनी शादी की घोषणा की।

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी ने अपनी शादी की घोषणा की पति पत्नी और पंगा का प्रीमियर अभी बाकी है, लेकिन पहला एपिसोड यादगार पलों से भरा होने का वादा करता है। अविका गौर और मिलिंद चंदवानी पहले एपिसोड में अपनी शादी की खबर की घोषणा करते नजर आएंगे। अब, बॉलीवुड लाइफसे बातचीत में, अविका और मिलिंद ने अपनी शादी के बारे में जानकारी साझा की है। अपनी शादी की तारीख के बारे में पूछे जाने पर, अविका ने कहा, यह सारी जानकारी आपको हमारे पहले एपिसोड में मिलेगी।

अविका गोर ने यह भी बताया कि कैसे उन्हें बहुत पहले ही यह एहसास हो गया था कि वह मिलिंद से शादी करना चाहती हैं। अपने मंगेतर की तारीफ करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, वह मेरे लिए बिल्कुल सही इंसान हैं क्योंकि वह दयालु हैं, बहुत समझदार हैं, बहुत अच्छे हैं। मैं बिल्कुल यही चाहती थी। इसलिए, जब मैंने उन्हें देखा और समझा कि वह किस तरह के इंसान हैं, तो मुझे साफ हो गया कि वही मेरे लिए सही इंसान हैं। मुझे यह यकीन बहुत पहले ही हो गया था, लेकिन मिलिंद को थोड़ा समय लगा।

मिलिंद चंदवानी ने आगे बताया कि कैसे उन्हें अपने प्यार का इजहार करने में छह महीने लग गए और अब वे छह साल से डेट कर रहे हैं। उन्होंने अपनी प्रेमिका की दयालु और बुद्धिमान होने के लिए प्रशंसा की। चूँकि यह जोड़ा अब आधिकारिक तौर पर शादी के बंधन में बंधने वाला है, प्रशंसक इस जोड़ी की शादी की तारीख की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी सगाई की बात करें तो, अविका और मिलिंद ने 11 जून, 2025 को एक निजी समारोह में सगाई कर ली थी।

अभिनेत्री जिया शंकर ने सोशल मीडिया की बढ़ाई गर्मी

जिया शंकर टीवी सीरियल काटेलाल एंड संस से प्रसिद्धि पाने वाली और बाद में मराठी फिल्म वेद से धूम मचाने वाली अभिनेत्री जिया शंकर एक बार फिर ध्यान आकर्षित कर रही हैं - इस बार एक नए और आकर्षक फोटोशूट के साथ, जिसमें उनका बोल्ड और आत्मविश्वासी रूप दिखाई दे रहा है।

हालांकि जिया ने तेलुगु में एन्था अंदंगा उन्नावे से सिल्वर स्क्रीन पर शुरुआत की और उसके बाद हैदराबाद लव स्टोरी से, उनकी शुरुआती फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं। पिछले तीन सालों से, उन्होंने फीचर फिल्मों से ब्रेक लिया है और इसके बजाय म्यूजिक वीडियो और ओटीटी प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे वह सुर्खियों में बनी रहीं। हैदराबाद पर्यटन

अपने नवीनतम फोटोशूट में, जिया सहज स्टाइल और गजब का आत्मविश्वास दिखा रही हैं। चटक गुलाबी ब्रालेट और डेनिम शॉर्ट्स पहने, वह एक बोल्ड फैशन स्टेटमेंट दे रही हैं। उनके संतुलित पोज, सॉफ्ट ग्लैम मेकअप और खुले बाल उनके आधुनिक और आकर्षक लुक को और निखार रहे हैं—एक मज़बूत, कैमरा-फ्रेंडली व्यक्तित्व को उभारते हुए, जो उनके अपने स्वभाव में सहजता को दर्शाता है। हालांकि अभी तक उनकी ओर से किसी नई फिल्म की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर जिया की चर्चा और उनके बदलते फैशन से पता चलता है कि वह एक दमदार वापसी के लिए तैयार हैं। प्रशंसकों को उम्मीद है कि यह स्टाइलिश अभिनेत्री जल्द ही एक नए और रोमांचक प्रोजेक्ट के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करेंगी।

आलोचना जरूरी है, मगर सारहीन न हो- अभिनेत्री वाणी कपूर ने कहा दिल की बात

चिंता से भरा हुआ, वाणी कपूर ने अपनी पहली वेब सीरीज, मंडला मर्डर्स की रिलीज के आसपास अपनी मन:स्थिति का वर्णन इस प्रकार किया है। नेटफ्लिक्स श्रृंखला इस सप्ताह के शुरू में जारी की गई थी और मंच पर शीर्ष स्थान पर ट्रेंड कर रही है। बातचीत में, वाणी ने शो में एक कठोर पुलिस वाले की भूमिका निभाने, फिल्मों से ओटीटी तक की अपनी यात्रा और फीडबैक लेने का तरीका सीखने पर विचार किया।

मंडला मर्डर्स एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर होने के साथ-साथ एक काल्पनिक नाटक भी है, जो पुलिस प्रक्रियात्मक के साथ अलौकिक का सम्मिश्रण है। गोपी पुथ्रन शो में वाणी एक सीबीआई अधिकारी (शो में सीआईबी में बदल दी गई) की भूमिका में हैं, जिन्हें काल्पनिक पवित्र शहर चरणदासपुर में सीरियल हत्याओं को सुलझाने का काम सौंपा गया है।

मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं किया। यह टोन, इसकी ऊर्जा में बहुत अलग है मैं इस अवसर के लिए आभारी और खुश हूं, यह तथ्य कि गोपी सर जैसे फिल्म निर्माता ने मुझमें ऐसा कुछ देखा, वह शो के बारे में बात करते हुए कहती हैं। उनका किरदार, रिया, एक पुलिस अधिकारी है। वाणी और गोपी पुथ्रन के श्रेय के लिए, वे चरित्र को अधिकार और स्थिरता के साथ चित्रित करने में कामयाब रहे, बिना उसे मर्दाना बनाने की आवश्यकता के।

वह वास्तव में वह संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि वह कौन है, वाणी कहती हैं। वह एक व्यक्ति है, और सामान्य रूप से लड़कियों और महिलाओं में बहुत आंतरिक शक्ति होती है, और जब जरूरत होती है, तो शारीरिकता इस चरित्र के लिए खड़ी हो जाती है। हालांकि, चरित्र ने वाणी को कैमरे के सामने उनकी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक दिया। वह बताती हैं, बहुत कम दिखाकर गहराई से महसूस करना कुछ ऐसा था जो सबसे बड़ी चुनौती थी। आप आंतरिक रूप से अधिक काम कर रहे हैं।

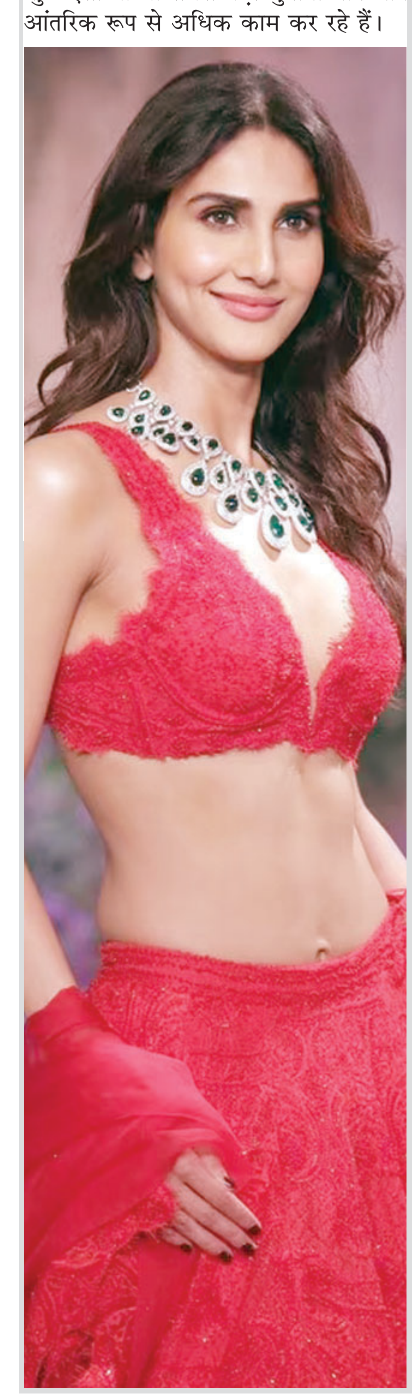

खाना बनाने के अलावा इन कामों के लिए माइक्रोवेव का करें उपयोग

आमतौर पर माइक्रोवेव का इस्तेमाल खाना गर्म करने के लिए किया जाता है, लेकिन यह एक खास उपकरण है। माइक्रोवेव की मदद से आप कई ऐसे काम भी कर सकते हैं, जिनके बारे में शायद ही किसी को पता हो। इस लेख में हम आपको माइक्रोवेव से जुड़े कुछ अनोखे और उपयोगी टिप्स बताएंगे, जिन्हें जानकर आप अपने रोजमर्रा के जीवन को और भी आसान बना सकते हैं।

नींबू का रस निकालें

नींबू का रस निकालना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, खासकर जब नींबू ठंडा हो। इसे आसान बनाने के लिए आप नींबू को पहले माइक्रोवेव में 5-10 सेकंड के लिए गर्म कर सकते हैं। इससे नींबू का रस आसानी से निकलता है और आपको ज्यादा ताकत लगाने की जरूरत नहीं पड़ती है। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो रसोई में समय बचाना चाहते हैं और खाना जल्दी तैयार करना चाहते हैं।

मसालों को भूनें

भारतीय खाना बनाने में मसालों का अहम योगदान होता है और उन्हें सही तरीके से भूनना जरूरी है ताकि उनका स्वाद बढ़ सके। इसके लिए आप मसालों को एक प्लेट में रखकर माइक्रोवेव में हल्की गर्मी पर 1-2 मिनट तक भून सकते हैं, जिससे उनका खुशबू बढ़ जाएगा और स्वाद भी अच्छा होगा। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो रसोई में समय बचाना चाहते हैं और खाना जल्दी तैयार करना चाहते हैं।

बेकिंग करें

माइक्रोवेव का इस्तेमाल बेकिंग करने में भी किया जा सकता है। अगर आपके पास माइक्रोवेव ओवन है तो आप इसे बेकिंग मोड पर सेट करके बेकिंग कर सकते हैं जैसे कि केक, कुकीज आदि। इससे आपको पारंपरिक ओवन की जरूरत नहीं पड़ेगी और बेकिंग भी आसान हो जाएगी। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो रसोई में समय बचाना चाहते हैं और खाना जल्दी तैयार करना चाहते हैं।

सब्जियों को जल्दी पका लें

सब्जियों को पकाने में अक्सर समय लगता है, लेकिन माइक्रोवेव की मदद से आप इसे आसान बना सकते हैं। बस सब्जियों को धोकर काट लें और एक बर्तन में पानी डालकर ढक दें, फिर इसे माइक्रोवेव में 2-3 मिनट तक मध्यम गर्मी पर रखें। इससे आपकी सब्जियां जल्दी तैयार हो जाएंगी और उन्हें पकाने में कम समय लगेगा। यह तरीका खासतौर पर व्यस्त लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है, जो जल्दी खाना बनाना चाहते हैं।

पानी गर्म करें

अगर आपको चाय या कॉफी बनाने के लिए गर्म पानी चाहिए तो इसके लिए भी माइक्रोवेव का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस एक कप में आवश्यक मात्रा में पानी लेकर माइक्रोवेव करें (10-15 सेकंड तक) ताकि वह गर्म हो जाए। इन सभी तरीकों से आप अपने रोजमर्रा के कामों को आसान बना सकते हैं और माइक्रोवेव का पूरा फायदा उठा सकते हैं।

ठंडा, गर्म या गुनगुना पानी, दवा लेने के लिए कौन सा पानी ज्यादा बेहतर?

कहीं आप रोज तो नहीं कर रहे ये गलती?

आजकल बहुत से लोग किसी न किसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने के लिए दवा का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन, जब भी हम दवा लेते हैं, तो हममें से कई लोगों के मन में यह शंका होती है कि दवा ठंडे पानी के साथ लेनी चाहिए या गुनगुने पानी के साथ, यह सवाल लगभग सभी के मन में आता है। कुछ लोग बिना सोचे-समझे ठंडे पानी के साथ दवा ले लेते हैं, तो कुछ लोग गुनगुने पानी का इस्तेमाल करते हैं। बहरहाल, आज इस खबर में विशेषज्ञों से जानें कि दवा कैसे लेनी चाहिए और यह स्वास्थ्य के लिए कैसे फायदेमंद है।।।

दवा की प्रकृति को समझना महत्वपूर्ण है

हम आमतौर पर दवाइयां टैबलेट, कैप्सूल, सिरप या सस्पेंशन के रूप में लेते हैं। चाहे किसी भी रूप में ली जाए, शरीर में हर प्रकार की दवा का अवशोषण अलग-अलग होता है। इसलिए, विशेषज्ञ दवा की प्रकृति के अनुसार दवा लेने की सलाह देते हैं। दवा की प्रकृति ही यह निर्धारित करती है कि उसे किस तापमान पर लेना चाहिए।

एक गलती जो बहुत से लोग करते हैं

कई लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेकर बहुत बड़ी गलती कर देते हैं। आपको बता दें, जब हम दवाइयां लेते हैं तो वो पेट की बायोलॉजिकल मेम्ब्रेन में अवशोषित हो जाती हैं। ऐसे में दवाइयों में मौजूद तत्वों के अच्छे से अवशोषित होने के लिए पेट के इंटरनल एनवायरमेंट, जिसमें पेट और आंतों का तापमान भी शामिल है, का सही होना बहुत जरूरी है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो इससे शरीर का आंतरिक तापमान कम हो जाता है। इससे दवाइयों की घुलनशीलता कम हो जाती है। जब लोग ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेते हैं तो शरीर ली गई दवा के प्रोसेस पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता है और अपनी सारी एनर्जी पानी के तापमान को सामान्य करने में खर्च कर देता है। ऐसे में बता दें कि ठंडे पानी के साथ दवाइयां लेने से दवाइयों का असर कम हो जाता है।

क्या ठंडे पानी के साथ दवा लेना हानिकारक है?

ठंडे पानी के साथ दवा लेने के नुकसान जानने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। इसके नुकसान को साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। लेकिन ठंडे पानी के साथ दवा लेने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए है क्योंकि आमतौर पर इंजेक्शन की तुलना में दवा की सामग्री को आवश्यक स्थान तक पहुंचने में अधिक समय लगता है। दवाइयों के अवशोषित होने से पहले, ठंडे पानी को शरीर के तापमान पर लाना आवश्यक है। यह प्रोसेस दवाइयों के अवशोषण में और देरी करती है।

सर्दी या गले में खराश

गले में खराश, खांसी या सर्दी होने पर डॉक्टर आमतौर पर गुनगुने पानी से गरारे करने और दवा लेने की सलाह देते हैं, क्योंकि गुनगुने पानी गले को आराम देता है और दवा लेना आसान बनाता है, जबकि ठंडा पानी गले में जलन और बेचैनी पैदा कर सकता है। कुछ दवाएं गुनगुने पानी के साथ लेने पर तेजी से असर करती हैं।

दवा लेने का सही तरीका क्या है?

दवा लेने के लिए सादा या कमरे के तापमान वाला पानी (गुनगुना पानी) पीना आमतौर पर सबसे अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह दवा के अवशोषण में मदद करता है और शरीर के लिए सौम्य होता है, जबकि अत्यधिक ठंडा पानी कुछ दवाओं के असर को धीमा कर सकता है। हम अक्सर डॉक्टरों को गुनगुना पानी या सादे पानी के साथ दवा लेने की सलाह देते सुनते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि गुनगुने पानी के साथ दवा लेने से यह पेट में आसानी से घुल जाती है और आपके पेट और आंतों में पर्याप्त गर्मी बनी रहती है। इससे दवा का अवशोषण भी बेहतर होता है। साथ ही, दवा जल्दी असर दिखाने लगती है।

ध्यान रहें, गुनगुने पानी के साथ दवा लेना सभी दवाओं के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता है, विशेष रूप से उन दवाओं के लिए जिन्हें धीमी गति से अवशोषित करने की आवश्यकता होती है।

लोगों के दिलों में बस जाए ऐसा काम करें: श्याम बिहारी जायसवाल

स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में स्वशासी समिति की बैठक सम्पन्न, जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में 14.46 करोड़ के विकास कार्यों की मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डिमरापाल स्थित स्व. बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को मानवीय दृष्टिकोण से कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा को केवल ड्यूटी न समझें, बल्कि सेवा भाव के साथ इस क्षेत्र में अपना योगदान दें। मंत्री जायसवाल ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा, मंत्री और सचिव तो समय-समय पर बदलते रहेंगे, लेकिन आप सभी को जीवनभर इसी क्षेत्र में कार्य करना है।

इसलिए ऐसा काम करिए कि लोग वर्षों तक आपको याद रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार के पास संसाधनों और फंड की कोई कमी नहीं है। यदि सभी मिलकर ईमानदारी और समर्पण से कार्य करें, तो आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के शासकीय अस्पताल, निजी संस्थानों को भी पीछे छोड़ सकते हैं और पूरे देश में पहचान बना सकते हैं।

स्व. बलीराम कश्यप स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, डिमरापाल में आज आयोजित स्वशासी समिति की साधारण सभा की बैठक में कुल ?14 करोड़ 46 लाख के विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने की। इस बैठक में सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, महापौर संजय पाण्डेय, कमिश्नर डोमन सिंह, कलेक्टर हरिस एस , मेडिकल कालेज के डीन, अस्पताल अधीक्षक समेत स्वशासी समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक में चिकित्सा महाविद्यालय के बुनियादी ढांचे एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु कुल 11 करोड़ 94 लाख की राशि स्वीकृत की गई। इस राशि के अंतर्गत लेक्चर थियेटर एवं परीक्षा हॉल के निर्माण के लिए 653.26 लाख तथा इन्डोर बैडमिंटन कोर्ट एवं जिम के निर्माण हेतु 384.34 लाख की स्वीकृति दी गई। इसके अतिरिक्त एमईटी सेल की स्थापना हेतु 5.00 लाख, मेस के उन्नयन एवं फर्निचर कार्य के लिए 44.37 लाख, छात्रावास के भूतल में पार्टिशन हेतु 13.74 लाख तथा बाह्य एवं आंतरिक परीक्षकों को विशेष मानदेय के रूप में 10.00 लाख की मंजूरी प्रदान की गई। विद्युत सब स्टेशन के उन्नयन व नवीनीकरण हेतु 38.43 लाख, छात्रावास भवन में वाटर कूलर की मरम्मत एवं क्रय हेतु 12.00 लाख तथा लेक्चर हॉल और परीक्षा हॉल के उन्नयन के लिए 17.87 लाख की राशि स्वीकृत की गई। इसके अलावा वार्षिक उत्सव कार्यक्रम के आयोजन हेतु 15.00 लाख का प्रावधान भी किया गया।

वहीं चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध चिकित्सालय में आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए 2 करोड़ 52 लाख की राशि स्वीकृत की गई। इस राशि में आपातकालीन चिकित्सालय में पार्किंग शेड निर्माण कार्य हेतु 16.23 लाख, गेस्ट हाउस के रिनोवेशन कार्य हेतु 69.00 लाख, चिकित्सालय के स्टोर भवन की छत पर शेड निर्माण एवं लिफ्ट निर्माण हेतु 79.35 लाख, एसटीपी मोटर्स के मरम्मत व नवीनीकरण हेतु ?24.00 लाख तथा सी-आर्म मशीन की खरीदी के लिए 24.00 लाख का प्रावधान किया गया। इसके अतिरिक्त पेंटा हेड माइक्रोस्कोप की खरीदी हेतु 10.00 लाख तथा सोनोग्राफी मशीन के लिए 29.00 लाख की राशि भी अनुमोदित की गई।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस तरह से चिकित्सा महाविद्यालय तथा उससे संबद्ध चिकित्सालय के लिए स्वशासी समिति की बैठक में कुल 14 करोड़ 46 लाख के कार्यों का अनुमोदन किया।

इस मौके पर मेडिकल कॉलेज के छात्र संगठन ने बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री का आभार प्रकट किया और कहा कि 14 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों को स्वीकृति देकर उन्होंने छात्रों और मरीजों दोनों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया है। छात्र प्रतिनिधियों ने मंत्री जायसवाल को धन्यवाद देते हुए भरोसा दिलाया कि वे भी पढ़ाई और सेवा में पूरी निष्ठा के साथ जुटे रहेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि स्वीकृत परियोजनाएं न केवल संस्थान की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करेंगी, बल्कि इससे बस्तर अंचल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं भी प्राप्त होंगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी स्वीकृत कार्यों को तय समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण रूप से पूरा किया जाए, जिससे छात्रों और आमजन दोनों को अधिकतम लाभ मिल सके।

हरित विकास की दिशा में ग्रामीण क्षेत्रों की भूमिका सबसे महत्त्वपूर्ण-उपमुख्यमंत्री शर्मा

गाँवों से आरंभ हो रही है हरित अर्थव्यवस्था की क्रांति : रायपुर स्थित प्रबंधन संस्थान में सम्पन्न हुआ पांचवां भारत ग्रामीण संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हरित विकास को जनभागीदारी से साकार करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल करते हुए आज भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर तथा ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया संस्था के संयुक्त आयोजन में पाँचवाँ भारत ग्रामीण संवाद 2025 सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। गाँवों के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की हरित आर्थिक बदलाव की यात्रा विषय जिसमें प्रदेश को हरित दिशा में आगे ले जाने की रणनीति पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने वर्चुअल माध्यम से जुड़कर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि यदि गाँवों को केंद्र में रखकर परंपरागत ज्ञान और संसाधनों का सतत उपयोग किया जाए, तो हम पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, सूर्य ऊर्जा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देकर प्रदेश को हरित राज्य बनाया जा सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार इस दिशा में पूर्णत: प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम के दौरान वन विभाग और ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया संस्था के बीच हरित बदलाव के सहयोग हेतु एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। प्रबंधन संस्थान रायपुर द्वारा प्रदेश के हरित विकास के पाँच मुख्य आधार प्रस्तुत किए गए जिसमे परंपरागत खेती और वन संसाधनों का संरक्षण, हरित रोजगार तथा पर्यावरणीय पर्यटन, स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा, सूर्य ऊर्जा आधारित ग्राम-बिजली प्रबंधन में लोगों की भागीदारी और नीति तथा संस्थागत ढाँचे का निर्माण शामिल थे। कार्यक्रम में पंचायती प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, महिलाओं, उद्यमियों और विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया। सभी ने जल संरक्षण, शिक्षा की गुणवत्ता, पारंपरिक बीजों की कमी, वनों की कटाई, कचरा प्रबंधन और रासायनिक खेती पर निर्भरता जैसे विषयों पर अपने विचार रखे।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक वन-समृद्ध राज्य है। यहाँ की प्राकृतिक सम्पदा और जनभागीदारी मिलकर हरित विकास के आदर्श मॉडल की नींव रख सकते हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतें इस हरित बदलाव की धुरी बनेंगी और महिलाओं को इस बदलाव में नेतृत्व की भूमिका दी जाएगी। पंचायत विभाग के सचिव श्री भीम सिंह ने जानकारी दी कि अब पंचायतों का मूल्यांकन जल संरक्षण, स्वच्छता और हरित मानकों के आधार पर किया जाएगा। सुशासन अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत ने कहा कि यह समय की माँग है कि हरित अर्थव्यवस्था को केवल शासन की योजना न मानकर, समुदाय को उसका सहभागी और कर्ता बनाना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञों ने यह भी सुझाव दिया कि गाँवों में ही परंपरागत उद्योगों का पुनरुद्धार, जल संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग, घरेलू उद्योगों को पुनर्जीवित करना तथा हस्तशिल्प को बढ़ावा देना हरित विकास की गति को और सशक्त बना सकते हैं।

सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग ने रचा कीर्तिमान लगभग 4000 मरीजों का कामयाब ऑपरेशन

आयुष्मान कार्ड से जटिल सर्जरी का मुफ्त इलाज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) बिलासपुर में भर्ती मरीजों के लिए आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हुआ है। विगत लगभग दो साल में 598 भर्ती मरीजों की मेजर सर्जरी एवं 3227 माइनर सर्जरी किया जा चुका है। लगभग 4 हजार मरीजों का सफल इलाज कर सिम्स का दंत चिकित्सा विभाग इस मामले में छत्तीसगढ़ के समस्त चिकित्सा महाविद्यालयों के दन्त चिकित्सा विभागों में अव्वल स्थान पर है।

सबसे महंगा कहे जाने वाला टीएमजे प्रत्यारोपण जिसमे जबड़े के जॉइंट का प्रत्यारोपण किया जाता है, जिसे निजी अस्पतालों में करवाने पर लाखो रूपए का खर्चा होता है। सिम्स में दन्त चिकित्सा विभाग द्वारा जटिल सर्जरी को आधुनिक तकनीक से आयुष्मान योजना के तहत नि:शुल्क किया गया। सिम्स गरीब मरीजों का आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज उपलब्ध कराने में भी अग्रणी है।

जशपुर जिले का मरीज धीर साय का सड़क दुर्घटना में चेहरे की सारी हड्डियां टूट गई थीं तथा चेहरा विकृत हो गया था, जिसका सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा सर्जरी एवं प्लेटिंग की गई, जिसकी प्रशंसा मुख्य मंत्री श्री विष्णु देव साय ने की थी। गौरतलब है कि सिम्स की बेहतर इलाज की सुविधा को जानते हुए पड़ोसी राज्य से भी मरीज यहाँ आकर अपने दुर्घटनाग्रस्त टूटे हुए जबड़े और चेहरे का इलाज करवाते है। अब तक सिम्स के दन्त चिकित्सा विभाग के द्वारा फ्रैक्चर के 550 मरीजों का सर्जरी एवं प्लेटिंग करके जबड़े को जोड़ा गया है। मुँख- कैंसर के साथ अन्य प्रकार की जबड़े की ट्यूमर से ग्रसित 40 से अधिक मरीजों का सफलता पूर्वक इलाज किया गया है।

ग्रीन पालना अभियानः हरियाली के साथ नए जीवन की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप, जिला प्रशासन रायपुर ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल ग्रीन पालना अभियान की शुरुआत की है।

इस अनूठी पहल के अंतर्गत, सरकारी अस्पतालों में प्रसव उपरांत माताओं को 5 फलदार पौधों :- आम, अमरूद, जामुन, पपीता और मुनगा की सौगात दी जा रही है। आज इस अभियान के तहत धरसींवा ब्लॉक 01, तिल्दा ब्लॉक 01, आरंग ब्लॉक 04, अभनपुर ब्लॉक 03, बिरगांव रायपुर 07

और शहरी रायपुर 01, कुल 17 प्रसूताओं को यह पौधे भेंट किए गए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में चल रहे इस महाअभियान के तहत अब तक कुल 1543 माताओं को लगभग 7715 पौधे वितरित किए जा चुके हैं। यह पहल न केवल नवजात शिशु के जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक है।

विभागीय कार्यों में आ रही तकनीकी समस्याओं का आपसी समन्वय से करें निराकरणः मंत्री कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विभागीय कार्यों में आ रही समस्याओं का निराकरण आपसी समन्वय स्थापित कर समय-सीमा में निराकरण करें। यह बातें जल संसाधन मंत्रीकेदार कश्यप ने शिवनाथ भवन अटल नगर में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में कही। उन्होंने बैठक में जल संसाधन विभाग की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की और स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो ने बैठक का संचालन करते हुए कहा कि एमआईएस में आ रही समस्याओं का आपसी समन्वय स्थापित कर 19 अगस्त 2025 के पूर्व समस्त तकनीकी विषयों पर आवश्यक निर्णय लेते हुए निराकरण कर

लिया जाए। साथ ही तकनीकी स्वीकृति से संबधित वित्तीय अधिकार को युक्तियुक्त करने हेतु प्रस्ताव 06 अगस्त 2025 तक शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। निविदा प्रपत्र के अंतर्गत 108 प्रकरणों में दोषी पाये गये निविदाकारों के विरूद्ध कार्यवाही एक सप्ताह के भीतर अनिवार्यत: पूर्ण करें और दोषी पाए गए निविदाकारों को आगामी निविदा में भाग लेने के संबंध में निविदा कंडिका में संशोधन हेतु प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर शासन को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

बैठक में सचिव टोप्पो ने अधिकारियों को एमआईएस में संबंधित प्रविष्टी प्रदर्शित होने के लिए आवश्यक व्यवस्था भी समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही निविदा प्रक्रिया में आ रही समस्याओं का संबंधित मुख्य अभियंता एवं निविदा प्रकोष्ठ कार्यालय प्रमुख अभियंता आपस में समन्वय स्थापित कर निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि बोधघाट वृहद् परियोजना, इन्द्रावती-महानदी इंटरलिंकिंग परियोजना, शेखरपुर जलाशय एवं डांडपानी जलाशय के निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही पूरी कर तथा प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त योजनाओं में निविदा स्वीकृति का कार्य निर्धारित 100 दिवस की समय-सीमा में पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें।

सचिव राजेश सुकुमार टोप्पो ने बैठक में जलाशयों से कृषकों की माँग के अनुरूप नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए जल प्रदाय किया जाना सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने विभिन्न विषयों पर विभागीय नीति तैयार कर एक माह के भीतर शासन को प्रस्तुत किया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जल-कर में वृद्धि हेतु प्रस्ताव अविलम्ब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्मार्ट मीटरिंग के कार्य को भी पी.पी.पी. माध्यम से कराए जाने हेतु प्रस्ताव अविलम्ब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सचिव टोप्पो ने मंत्री कश्यप को बताया कि विशेष केन्द्रीय सहायता प्राप्त करने हेतु प्रस्ताव एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाएगा और परियोजना मण्डल की आगामी बैठक हेतु आवश्यक तैयारियां एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक कार्यवाही भी समय से पूर्ण कर लिया जाएगा।

युवा सीख रहे हैं सपनों को साकार करने की कला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला बेमेतरा के नवागढ़ ब्लॉक स्थित ग्राम टेमरी में 15 जुलाई से 13 अगस्त 2025 तक राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण एसबीआई आरसेटी बेमेतरा (रूरल सेल्फएम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट) के माध्यम से संचालित किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण के तहत प्रतिभागियों को राजमिस्त्री का व्यावसायिक कौशल सिखाने के साथ-साथ बैंकिंग ज्ञान और उद्यमिता विकास की भी जानकारी दी जा रही है, जिससे वे भविष्य में स्वरोजगार की ओर अग्रसर हो सकें।

आरसेटी की जिले में शुरुआत: नए जिले के गठन के पश्चात इस वित्तीय वर्ष से ग्रामीण विकास मंत्रालय की पहल पर एसबीआई आरसेटी बेमेतरा की शुरुआत की गई है। यह संस्थान फिलहाल सिमगा रोड स्थित ग्राम चोरभट्ठी के लाइवलीहुड कॉलेज परिसर में अस्थायी रूप से संचालित किया जा रहा है। यहां 18 से 45 वर्ष के बीच के बेरोजगार युवक-युवतियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है।

70 से अधिक ट्रेड में प्रशिक्षण उपलब्ध: आरसेटी के तहत लगभग 70 अलग-अलग विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिनमें ब्यूटी पार्लर संचालन, महिला एवं पुरुष सिलाई, मोबाइल व मोटरसाइकिल रिपेयरिंग, एसी-फ्रिज मरम्मत, सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉलेशन, अगरबत्ती, मोमबत्ती, आचार, बड़ी-पापड़ निर्माण, मछली पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि प्रमुख हैं। इस संस्थान का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

जिला पंचायत के सहयोग से संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से गांव के युवाओं को निर्माण कार्य का व्यावहारिक ज्ञान मिल रहा है। इससे वे भविष्य में प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में कुशल राजमिस्त्री के रूप में अपना योगदान दे सकेंगे। साथ ही यह पहल स्वाभिमान के साथ स्वावलंबन की ओर एक मजबूत कदम साबित होगी। इस प्रकार न केवल तकनीकी दक्षता बढ़ा रहा है, बल्कि गांवों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

प्रोजेक्ट 'पाई-पाई' के अंतर्गत वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण

रायपुर। जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट पाई-पाई के अंतर्गत कलेक्ट्रेट स्थित बीपीओ एवं मल्टीलेवल पार्किंग परिसर में संचालित प्रशिक्षण केंद्र में वित्तीय साक्षरता विषय पर विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इसका प्रशिक्षण आरसेटी के राज्य निदेशक अशोक कुमार सिंह ने दिया। प्रशिक्षण सत्र में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्हें सिंह द्वारा डिजिटल फ्रॉड, निवेश सुरक्षा, बचत के उपाय तथा वित्तीय योजना संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दैनिक जीवन में वित्तीय निर्णयों को सुरक्षित और विवेकपूर्ण ढंग से लेने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

खास खबर

रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर सख्ती, जांजगीर-चांपा में तीन जेसीबी व एक हाईवा वाहन जब्त

जांजगीर-चांपा। जिले में कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण हेतु गठित जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा आज ग्राम भादा, नवापारा, केवा एवं बम्हनीडीह क्षेत्र में आकस्मिक जांच की गई।

खनिज अधिकारी अनिल कुमार साहू ने बताया कि ग्राम नवापारा स्थित हसदेव नदी से 03 जेसीबी वाहनों द्वारा अवैध रूप से रेत का उत्खनन करते पाए जाने पर उन्हें जब्त कर कलेक्टोरेट परिसर, जांजगीर में रखवाया गया है। इसी प्रकार, एक हाईवा वाहन को ओव्हरलोड स्थिति में रेत परिवहन करते पाए जाने पर जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त वाहनों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज करते हुए दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के मामले में जांच-पड़ताल का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

स्कूल जा रही छात्रा के साथ रेप, युवक गिरफ्तार

कांकेर। स्कूल जा रही एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पीड़िता की मां की शिकायत पर थाना पखांजूर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता रोजाना की तरह 05 अगस्त को स्कूल के लिए घर से निकली थी। रास्ते में ग्राम पीव्ही-132 यशवंतनगर निवासी कंकन मंडल, पिता शिवपद मंडल, ने उसे रोका और बहला-फुसलाकर मोटरसाइकिल में घुमाने के बहाने बैठा लिया। आरोपी उसे अपने रिश्तेदार के घर ग्राम पीव्ही-23 ले गया, जहां उसने मौका पाकर नाबालिग के साथ जबरन दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने पीड़िता को स्कूल की छुट्टी होने से पहले गांव के पास रास्ते में छोड़ दिया। डरी-सहमी छात्रा ने घर पहुंचकर पूरी घटना अपनी मां को बताई जिसके बाद थाना पखांजूर में शिकायत दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अपराध क्रमांक 109/2025 के तहत धारा 64, 64(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के अंतर्गत केस पंजीबद्ध कर तत्काल जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ के रास्ते बिहार जा रही थी शराब, जशपुर में पुलिस ने धर दबोचा, ट्रक सहित माल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने शराब के अवैध परिवहन पर बड़ी चोट की है। यहां पर पुलिस ने 51 लाख रुपए की शराब ट्रक सहित जब्त किया है। यह शराब पंजाब से निकलकर छत्तीसगढ़ के रास्ते बिहार जा रही थी। 734 कार्टून में 6588 लीटर शराब जब्त करने में पुलिस को सफलता मिली है। इससे पहले भी जशपुर पुलिस ने तस्करी करते दो ट्रैकों से करोड़ रुपए कीमत की,1574 पेटी में 14025 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त कर चुकी है। ताजा मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशिमोहन सिंह के दिशा निर्देश पर ऑपरेशन आघात के तहत् जशपुर पुलिस के द्वारा लगातार नशे के सौदागरों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है, इसी क्रम में जशपुर पुलिस ने सोमवार को ट्रक सहित अवैध शराब का एक बड़ा जखीरा को पकड़ा है, व आरोपी ट्रक चालक को भी गिरफ्तार किया है। दरअसल पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक ट्रक क्रमांक UP12AT1845 में बड़ी मात्रा में अवैध शराब को तस्करी कर जशपुर क्षेत्र से होते हुए ले जाया जा रहा है।

उक्त संदेही ट्रक को ट्रेस करते हुए, सिटी कोतवाली जशपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम आगडीह के पास नेशनल हाइवे 43 पर नाका बंदी की गई थी। संदेही वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान उक्त संदेही ट्रक आता दिखाई देने पर, पुलिस के द्वारा उक्त संदेही ट्रक क्रमांक UP12AT1845 को घेरा बंदी कर रोका। पुलिस के द्वारा जब संदेही ट्रक की तलाशी ली गई तब, उसके ट्रॉली में 734 कार्टून में अंग्रेजी शराब मिला। जिसे पुलिस के द्वारा ट्रक सहित जप्त करते हुए, आरोपी ट्रक चालक चिमा राम उम्र 26 वर्ष को हिरासत में लिया गया।

पुलिस की पूछताछ पर आरोपी ट्रक चालक चिमा राम ने बताया कि वह उक्त ट्रक को वह चंडीगढ़ पंजाब से लेकर रांची तक आ रहा था, उसे चंडीगढ़ में एक दूसरे व्यक्ति के द्वारा उसे ट्रक दिया गया था, उसे नहीं पता

था कि ट्रक में क्या है, उसे ट्रक को रांची तक ले जाना था, जहां से कोई अन्य व्यक्ति ट्रक को लेकर बिहार जाता। आरोपी ट्रक चालक ने बताया कि उसे, इसके लिए 45000 रुपए दिया जाता। पुलिस को संदेह है इस प्रकार की शराब की तस्करी में किसी बड़े सेंडिकेट की शामिल होने की संभावना है, जो कि अत्यंत ही शातिर तरीके से अंग्रेजी शराब की तस्करी कर रहे हैं। तस्करी में संलिप्त सिंडिकेट की पता साजी हेतु पुलिस की जांच जारी है।

जशपुर पुलिस ने पूर्व में भी इसी पैटर्न में अवैध रूप से अंग्रेजी शराब की तस्करी करते हुए, दो ट्रकों को पकड़ा था, जिसमें से एक ट्रक को दुलदुला क्षेत्र से व दूसरे ट्रक को अनूपपुर मध्य प्रदेश से पकड़ कर लाया गया था, जिसमें से लगभग एक करोड़ रुपए कीमत का 1574 पेटी में 14025 लीटर, अंग्रेजी शराब को बरामद कर जप्त किया गया था। उक्त मामलों में भी तस्करों के द्वारा ड्राइवरों को अच्छी रकम का लालच देकर एक निश्चित स्थान से ट्रक को निर्धारित स्थान तक ले जाने हेतु दिया जाता था, जहां सिंडिकेट के सदस्यों के द्वारा ट्रक को ले लिया जाता था, व ड्राइवर को पैसे देकर वापस लौटा दिया जाता था, वहां से कोई और व्यक्ति ट्रक को लेकर, अन्य निर्धारित स्थान पर ले जाता था, जिससे कि ड्राइवरों को पता न चल सके कि माल कहां से लोड हुआ है, और कहां ले जाया जा रहा है। तस्करों के द्वारा उन्हीं रास्तों का उपयोग किया जाता है जहां टोल नाका व पुलिस नाका कम होते हैं।

वर्तमान प्रकरण में भी ट्रक चालक अवैध शराब से भरी ट्रक को चंडीगढ़, हिमाचलप्रदेश, लखनऊ, अंबिकापुर, जशपुर, होते हुए, रांची झारखंड तक आ रहा था, जहां से कोई अन्य व्यक्ति ट्रक को लेकर बिहार जाता। मगर जशपुर पुलिस की सक्रिय मुखबिर तंत्र से अवैध अंग्रेजी शराब से भरी ट्रक को जशपुर में ही ,नेशनल हाइवे आगडीह के पास पकड़ लिया गया व ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने ट्रक से 734 कार्टून, में 6588 ली अवैध अंग्रेजी शराब, जिसकी बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 51 लाख रुपए है, को जप्त कर लिया है। व तस्करी में प्रयुक्त ट्रक क्रमांक क्क्ष2ड्ढ1845 को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है, ट्रक की कीमत लगभग 16 लाख रुपए है।

पुलिस के द्वारा आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली जशपुर में 34(1)(क), व 34(2) आबकारी एक्ट के तहत् अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी चिमा राम, उम्र 26 वर्ष, थाना बायतु बाड़मेर, राजस्थान को प्रयाप्त अपराध सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सिटी कोतवाली जशपुर आशीष कुमार तिवारी, सहायक उप निरीक्षक एसन पाल, प्रधान आरक्षक नवीन दत्त तिवारी, आरक्षक उपेन्द्र सिंह नगर सैनिक थानेश्वर देशमुख की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि जशपुर पुलिस ने सिटी कोतवाली क्षेत्र से अवैध रूप से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब की तस्करी करते ट्रक को पकड़ा है व ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है, मामले में किसी अंतरराज्यीय शराब तस्करी सिंडिकेट की शामिल होने की संभावना है, जिसमें पुलिस की जांच जारी है, तस्करी में शामिल अन्य लोगों को भी पुलिस के द्वारा बख्शा नहीं जाएगा।

पार्षद की गाड़ी से मासूम बच्ची की हुई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलाईगढ़। नगर पंचायत बिलाईगढ़ के पार्षद धनीराम देवांगन एक गंभीर सड़क दुर्घटना के बाद विवादों में घिर गए हैं। आरोप है कि उनके वाहन की टक्कर से एक नाबालिग बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना के बाद न सिर्फ पीड़ित परिवार, बल्कि स्थानीय जनता भी आक्रोशित है।

घटना सोमवार देर शाम की बताई जा रही है, जब पार्षद धनीराम देवांगन एक निजी कार्यक्रम से लौट रहे थे। उसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने सड़क किनारे खड़ी 10 वर्षीय बच्ची को टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद बच्ची को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस घटना के बाद पीड़ित परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हादसे के तुरंत बाद भी पार्षद ने किसी प्रकार की मानवीय संवेदना नहीं दिखाई। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्षद ने बच्ची को अस्पताल पहुंचाने के बजाय खुद को बचाने की कोशिश शुरू कर दी। उनके सहयोगी इलाज के नाम पर बहाने बनाते रहे और समय पर उचित चिकित्सा सहायता नहीं मिल पाई, जिससे बच्ची की जान चली गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि जब बच्ची की मौत की पुष्टि हो गई, तब पार्षद पक्ष द्वारा परिजनों को चुप कराने की कोशिश भी की गई। परिजनों ने आरोप लगाया कि उन्हें मामले को रफा-दफा करने के लिए पैसे का लालच दिया गया। परिवार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे किसी भी कीमत पर बच्ची की मौत को राजनीतिक प्रभाव या पैसों के बल पर दबने नहीं देंगे। पीड़िता के पिता ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमारी बच्ची की जान चली गई, और ये लोग मुआवजे की बात कर रहे हैं।

रायपुर के फ्लैट में चोरी करने वाला गिरोह पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आधा दर्जन फ्लैट में चोरी करने वाले महाराष्ट्र के 2 अंतर्राज्यीय आरोपी गिरफ्तार किए गए है। प्रार्थी पगाटिका कलवा वेकेंटश्वरलु ने थाना आमानाका में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह सटर्लिंग होम सरोवर पोर्टीको के पास है।

3 अगस्त को प्रार्थी सपरिवार भिलाई गया था, कि रात्रि करीबन 08 बजे वापस घर आकर देखा तो घर के दरवाजा का ताला कुन्डी सहित टूटा हुआ था। अन्दर जाकर देखा तो रूम का समान बिखरा हुआ था आलमारी खुला हुआ था तथा आलमारी में रखे सोने एवं चांदी के जेवरात नहीं थे। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर कमरे अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखें उक्त मशरूका को चोरी कर ले गया था कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना आमानाका में अपराध क्रमांक 250/25 धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

प्रार्थी लोकनाथ देवांगन ने थाना कबीर नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 2 व 3 अगस्त रात्रि की दरम्यानी कोई अज्ञात चोर हीरापुर कबीर नगर रॉयल रेजिन्सी स्थित उसके मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर कमरे में रखें आलमारी का ताला तोड़कर आलमारी में रखें सोने चांदी के जेवरात तथा नगदी रकम को चोरी कर ले गया, कि प्रार्थी की रिपोर्ट

पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 142/25 धारा 331(3), 305(ए) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

प्रार्थिया भावना यदु ने थाना न्यू राजेन्द्र नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 3 अगस्त 2025 को कोई अज्ञात चोर हिमालन हाईट्स स्थित उसके मकान का ताल तोड़कर कमरे अंदर प्रवेश कर आलमारी में रखें सोने चांदी के जेवरात को चोरी कर ले जाने के साथ ही उसी कालोनी में निवासरत अनिश कुमार के भी सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर कमरे में रखें विभिन्न कंपनियों के हाथ घडी, नगदी रकम एवं चांदी के जेवरात को चोरी कर ले गया था कि प्रार्थियों के रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में अपराध क्रमांक 172/25 धारा 331(3), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा संबंधित थानों की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थलों का निरीक्षण कर प्रार्थियों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। घटना स्थल का निरीक्षण करने पर पाया गया कि अज्ञात आरोपी द्वारा सभी घटनाओं को एक ही तरीका वारदात के आधार पर अंजाम दिया गया है तथा फ्लैटों को अपना निशाना बनाया गया है। तरीका वारदात के आधार पर किसी बाहरी गिरोह के सदस्यों द्वारा घटनाओं को अंजाम देना प्रतीत हो रहा था।

जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा बाहरी गिरोह को फोकस करते हुये कार्य करना प्रारंभ किया गया। प्रकरण में मुखबीर लगाने के साथ ही घटना स्थल तथा उसके आस-पास लगे सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेजों का अवलोकन किया गया। शहर में स्थित होटल-लॉज की चेकिंग करने के साथ ही तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से भी अज्ञात आरोपी की पहचान सुनिश्चित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी में लगी टीम के सदस्यों को आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होने के साथ ही आरोपियों को लोकेट करने में सफ्लता मिली तथा आरोपी घटनाओं को अंजाम देने के बाद फरार हो रहे थे, कि टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों का पीछा करते हुये आरोपियों को अम्बिकापुर में पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम विनोद सन्नी गौर एवं रेयान उर्फ अमन फैय्याज शेख निवासी महाराष्ट्र का होना बताया। प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा फ्लैट में चोरी की उक्त घटनाओं को अंजाम देना बताया गया। जिस पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की सोने के जेवरात 36 ग्राम, चांदी के जेवरात 843 ग्राम, 09 नग हाथ घड़ी, 01 नग आईफोन तथा घटना में प्रयुक्त 03 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 6,20,000 रूपये तथा आलाजरब जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरूद्ध चोरी की अन्य शिकायतें भी प्राप्त हुई है जिनमें आरोपियों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया जाएगा। गिरफ्तार आरोपी विनोद सन्नी गौर पिता विनोद गौर उम्र 22 पता बालाजी नगर हाइवे के बगल में टेल्को रोड के बाजू भोसरी थाना बालाजी नगर पुणे महाराष्ट्र। रेयान उर्फ अमन फैय्याज शेख पिता फैय्याज शेख उम्र 20 पता केरोल वेस्ट पाइप लाइन आगरा होटल के पास कोहिनूर सिटी थाना कुरला वेस्ट नई मुंबई महाराष्ट्र शामिल है।

कोरबाः सड़क पार कर रहे बाइक सवार तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के चोटिया चौक के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक मोटरसाइकिल सवार की मौत हो गई। बलजोर श्याम नामक मोटरसाइकिल सवार को एक स्वराज माजदा वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बलजोर श्याम 42 वर्षीय जो कोरबी चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम झिनपुरी के निवासी था। वह अपनी मोटरसाइकिल से सड़क पार कर रहा था जब चोटिया चौक के पास स्वराज माजदा वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया।

स्वराज माजदा वाहन का चालक तेजी और लापरवाही से वाहन चला रहा था और उसने मोटरसाइकिल को सीधे चपेट में ले लिया। स्थानीय लोगों की माने तो मृतक खेती किसानी का काम करता है और किसी काम से चोटिया सामान लेने के लिए आया हुआ था जहां सड़क पार कर रहा था इस दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार माजदा वाहन ने ठोकर मार दिया इसका लाइव वीडियो भी सामने आया है जहां एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी इस चौक पर कई हादसे हो चुके हैं जहां चौक होने के बावजूद भी ब्रेकर नहीं है और वहां रफ्तार में रहता है जिसके चलते आए दिन दुर्घटना होते रहती है स्थानीय लोगों ने ब्रेकर की मांग की है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर ने बताया कि इस घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची वही वाहन को जप्त कर चालक के खिलाफ कार्यवाही करते हुए आगे की कार्यवाही की गई। पुलिस ने दुर्घटनाकारित वाहन चालक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि दुर्घटना कैसे हुई और इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

गुम हुए 250 मोबाइल ढूंढ निकाले, फोन मिलने से खिले मालिकों के चेहरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुम मोबाईल फोन की बरामदगी सुनिश्चित करते हुये पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा सभी पुलिस राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों सहित एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को गुम मोबाईल फोन को ढूंढ कर बरामद करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थानों की संयुक्त टीम द्वारा आवेदकों द्वारा प्रस्तुत गुम मोबाईल फोन के आवेदनों पर गुम हुए मोबाईल फोन को ढूंढने का विशेष अभियान चलाया गया।

पुलिस टीम द्वारा गुम हुए कुल 250 नग मोबाईल फोन को प्रदेश सहित अन्य राज्यों के अलग - अलग स्थानों से ढूंढ कर बरामद किया गया। कुल 250 नग

मोबाईल फोन कीमती लगभग 50 लाख रूपये बरामद कर आज 05.08.2025 को मोबाईल फोन को उनके स्वामियों को वितरित किया गया।

गुम हुए मोबाईल फोन को बरामद करने के दौरान एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर वर्तमान में चला रहे मोबाईल धारक से गुम होने की मोबाईल उसके द्वारा चलाये जाने की जानकारी देकर उसे सायबर सेल रायपुर में जमा करने कहने पर मोबाईल धारक द्वारा मोबाईल फोन को बंद भी कर दिया जाता था। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा अन्य राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर मोबाईल धारक को तस्दीक कराकर उनसे मोबाईल फोन बरामद कर थाने में जमा कराया। उसके पश्चात् अन्य राज्यों एवं विभिन्न जिलों से मोबाईल फोन को कुरियर के माध्यम से मंगाया गया। इस दौरान कुछ मोबाईल धारको को गुम मोबाईल चलाये जाने के बारे में बताये जाने पर उनके द्वारा स्वयं से भी कुरियर कराया गया है।

रायपुर पुलिस द्वारा अन्य राज्यों की पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर मोबाईल फोन बरामद किया गया। जिसमें से उप्र, उड़ीसा, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड तथा बिहार सहित अन्य राज्यों से मोबाईल फोन बरामद किया गया। वर्ष 2025 में अब तक 01 करोड़ 10 लाख रूपये कीमत के कुल 550 नग गुम हुए मोबाईल फोन को मोबाईल फोन स्वामियों को वापस किया गया है। रायपुर पुलिस समस्त जनता से अपील करती है, कि मोबाईल फोन गुम होने की स्थिति में तत्काल www.ceir.gov.in पोर्टल में गुम होने के संबंध में जानकारी भेजे एवं अपने नजदीकी थाना/सायबर सेल से संपर्क करें, जिससे मोबाईल फोन का किसी भी अपराध में उपयोग ना हो सके। अपने मोबाईल फोन को हमेशा पासवर्ड प्रोटेक्टेड रखें। जागरूक रहकर किसी भी प्रकार के सायबर अपराध से बचा जा सकता है। रायपुर पुलिस आम जनता से अपील करती है, यदि किसी व्यक्ति को कोई भी मोबाईल फोन लावारिस अथवा अन्य हालत में प्राप्त होती है, तो ऐसे मोबाईल फोन को तत्काल कार्यालय साईबर सेल सिविल लाईन रायपुर में जमा करें। मोबाईल फोन जमा करने वाले व्यक्ति को रायपुर पुलिस द्वारा सम्मानित किया जाएगा ।

ड्रग तस्करीः लवजीत सिंह उर्फ बंटी समेत तीन सौदागर रिमांड पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी में नशे के कारोबार का एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बेनकाब हुआ है। ड्रग तस्करी के इस गंभीर मामले में गिरफ्तार तीन मुख्य आरोपियों को रायपुर पुलिस ने 3 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इस दौरान कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं, जिनसे सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। पुलिस ने मुख्य सरगना लवजीत सिंह उर्फ बंटी, सुवित श्रीवास्तव और सैफ चिला को अदालत से रिमांड पर लेकर हिरासत में लिया है। शुरुआती पूछताछ में आरोपियों ने ड्रग सप्लाई की अंतरराष्ट्रीय साजिश और पाकिस्तानी तस्करों से संपर्क के कई राज उजागर किए हैं।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, लवजीत सिंह उर्फ बंटी का नेटवर्क अफगानिस्तान से लेकर पाकिस्तान और भारत के कई राज्यों तक फैला हुआ है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि नशीली हेरोइन की खेप अफगानिस्तान से मंगाई जाती थी, और इसके वितरण में पाकिस्तानी तस्करों की मदद ली जाती थी। बंटी पाकिस्तानी तस्करों को भारत-पाकिस्तान सीमा के पास तक खुद बुलाता था, जिससे माल की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित की जा सके। पूछताछ के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से यूके, मलेशिया, ताइवान और पाकिस्तान के मोबाइल नंबरों से जुड़ी अनेक सिम कार्ड जब्त की हैं। इन सभी सिम की डिटेल रिकॉर्ड खंगालने का काम सायबर सेल द्वारा किया जा रहा है।

हिंसक वन्य प्राणियों द्वारा जनहानि के प्रकरणों का संवेदनशीलता से करें निराकरण: साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति के प्रकरणों में त्वरित, नियमानुसार एवं संवेदनशीलता से क्षतिपूर्ति सहायता प्रदान की जाए। वनांचल में निवासरत लोगों को कई बार वन्यप्राणियों के हमलों से अपनों को खोने की पीड़ा सहनी पड़ती है।

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रभावितों के दुख-दर्द का मानवीय दृष्टिकोण से शीघ्र निराकरण किया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हाथी-मानव द्वंद्व और अन्य हिंसक वन्यप्राणियों द्वारा जनहानि, पशुहानि एवं फसल क्षति की घटनाएं राज्य के वनांचल क्षेत्रों में चुनौती बनकर उभर रही हैं। ऐसी स्थितियों में शासन की जिम्मेदारी है कि पीड़ितों को शीघ्र एवं न्यायसंगत सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जंगली हाथियों द्वारा धान जैसी प्रमुख फसल के अतिरिक्त गन्ना, केला, पपीता एवं कटहल जैसी नगदी फसलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया जाता है, जिससे किसानों को आर्थिक ही नहीं, मानसिक रूप से भी दोहरी मार झेलनी पड़ती है। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में प्रदत्त व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टों की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रदत्त सहायता समय पर प्रभावितों तक पहुंचे, इसके लिए विभागीय समन्वय को और अधिक मजबूत किया जाए।

जनहानि, स्थायी अपंगता, पशुहानि, मकान क्षति तथा फसल हानि के लिए दी जाने वाली क्षतिपूर्ति दरों में वृद्धि किए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में प्रस्तुत किया गया। बैठक में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली फसल क्षति के आरबीसी के प्रावधानों के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि पर भी चर्चा की गई। बैठक मे मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव (वन) ऋचा शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, कृषि विभाग की सचिव शहला निगार, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव अविनाश चंपावत, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी सचिव अंकित आनंद, सचिव (वन) अमरनाथ प्रसाद, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) सुधीर अग्रवाल, अपर मुख्य वन संरक्षक प्रेम कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रणनीतिक खनिजों की खोज में छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक छलांग, छत्तीसगढ़ में निकल-क्रोमियम- PGE की पुष्टि

छत्तीसगढ़ में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज से खुला समृद्धि का नया द्वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खनिज विकास के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। मेसर्स डेक्कन गोल्ड माइनिंग लिमिटेड ने राज्य में हाल ही में प्राप्त संयुक्त अनुज्ञा क्षेत्र में निकल (Nickel), क्रोमियम (Chromium) और प्लेटिनम समूह के तत्वों (PGEs) की खोज की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि छत्तीसगढ़ में रणनीतिक एवं महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और उनके सतत विकास के एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

यह खोज महासमुंद जिले के भालुकोना जामनीडीह निकल, क्रोमियम और PGE ब्लॉक में हुई है, जो लगभग 3000 हेक्टेयर में फैला हुआ है। इस क्षेत्र का प्रारंभिक अन्वेषण भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा 4 स्तर पर किया गया था, जिसमें इन खनिजों की उपस्थिति की संभावना प्रकट हुई थी। इस आधार पर, छत्तीसगढ़ शासन के खनिज साधन विभाग के अंतर्गत भूविज्ञान एवं खनिकर्म संचालनालय ने विस्तृत भू-वैज्ञानिक आंकड़ों का संकलन कर ब्लॉक की ई-नीलामी प्रक्रिया संपन्न कराई। 6 मार्च 2023 को ब्लॉक का सफलतापूर्वक नीलामीकरण हुआ, जिसमें DGML ने 21 प्रतिशत सबसे ऊँची बोली लगाकर इसे हासिल किया। इसके पश्चात DGML छत्तीसगढ़ द्वारा अन्वेषण कार्यों को शीघ्र गति देने हेतु तकनीकी मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग प्रदान किया गया। आवश्यक वन और पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ प्राप्त होने के बाद, DGML ने अन्वेषण कार्यों की शुरुआत की, जिनमें विस्तृत भू-वैज्ञानिक मानचित्रण, रॉक चिप सैम्पलिंग, ड्रोन आधारित मैग्नेटिक सर्वेक्षण तथा इंड्यूस्ड पोलराइजेशन सर्वेक्षण शामिल हैं। प्रारंभिक परिणाम उत्साहजनक रहे हैं।

अब तक लगभग 700 मीटर लंबी खनिजीकृत पट्टी की पहचान की गई है, जो संभावित मैफिक-अल्ट्रामैफिक चट्टान संरचनाओं में स्थित है। भूभौतिकीय सर्वेक्षणों से प्राप्त संकेतों के अनुसार 300 मीटर गहराई तक सल्फाइड खनिजों की उपस्थिति दर्ज की गई है, जो इस ब्लॉक की समृद्ध खनिज क्षमता को रेखांकित करती है। भालुकोना ब्लॉक के समीप ही स्थित केलवरडबरी निकल, क्रोमियम एवं PGE ब्लॉक पूर्व में मेसर्स वेदांता लिमिटेड को नीलामी के माध्यम से प्रदान किया गया था। इन दोनों ब्लॉकों के संयुक्त विकास से महासमुंद क्षेत्र को देश के रणनीतिक खनिजों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किए जाने की संभावनाएँ सशक्त हुई हैं। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक खोज राज्य और देश के लिए अत्यावश्यक खनिज संसाधनों को सुरक्षित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह 'आत्मनिर्भर भारत' मिशन की भावना को सशक्त करती है और रणनीतिक क्षेत्रों में सतत एवं आत्मनिर्भर विकास को प्रोत्साहित करती है। छत्तीसगढ़ शासन वैज्ञानिक एवं विस्तृत खनिज अन्वेषण तथा विकास को पूर्ण समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

राज्य शासन द्वारा रणनीतिक एवं महत्वपूर्ण खनिजों की खोज को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, जिसका प्रमाण 2024-25 के अन्वेषण प्रस्तावों में परिलक्षित होता है, जहां 50 प्रतिशत से अधिक प्रस्ताव इन्हीं खनिजों पर केंद्रित हैं। अब तक राज्य द्वारा 51 खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी की जा चुकी है, जिनमें ग्रेफाइट, निकल, क्रोमियम, PGEs, लिथियम, ग्लॉकोनाइट, फॉस्फोराइट एवं ग्रेफाइट-वैनाडियम जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, 6 टिन ब्लॉकों को भारत सरकार के खनिज मंत्रालय को आगामी नीलामी हेतु सौंपा गया है। इस दिशा में योजनाबद्ध एवं संस्थागत प्रयासों को गति देने के लिए DGM, छत्तीसगढ़ ने एक क्रिटिकल मिनरल सेल (Critical Mineral Cell) का गठन किया है, जो शोध, शैक्षणिक एवं पेशेवर संस्थानों के साथ सहभागिता बढ़ाकर खनिज अन्वेषण एवं परिशोधन को प्रोत्साहित कर रहा है।

इस संदर्भ में खनिज संसाधन विभाग के सचिव, पी. दयानंद, ने कहा कि यह खोज केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग है। बढ़ती वैश्विक मांग के मद्देनज़र, हरित ऊर्जा एवं हाई-टेक तकनीकों के लिए आवश्यक खनिज — जैसे निकेल और प्लेटिनम समूह के तत्व — भविष्य की तकनीकों की रीढ़ हैं। छत्तीसगढ़ भारत के रणनीतिक खनिज मानचित्र में एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए कटिबद्ध है और हम इसके लिए आवश्यक संस्थागत और संचालनात्मक सहयोग सुनिश्चित कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि न केवल छत्तीसगढ़ की खनिज समृद्धि की स्थिति को और मजबूत करती है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना : सीएम साय बोले-

अधिकारी व कर्मचारी अपने घरों में लगाएं सोलर पॉवर प्लांट

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

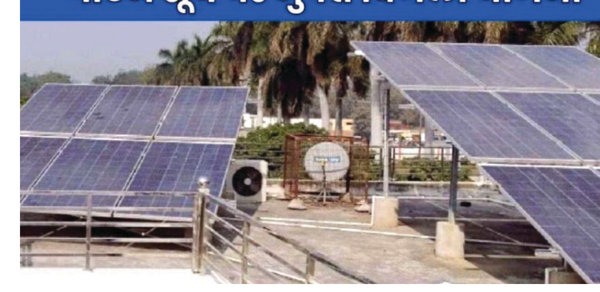

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदुषण मुक्त बिजली की ओर छत्तीसगढ़ को अग्रसर करने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को प्रात्साहित करने संबंधितों को निर्देश दिए हैं। सीएम साय ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को अधिक से अधिक घरों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों को अपने अपने आवासीय परिसरों में सोलर पॉवर प्लांट लगाने कहा है।

सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उददेश्य सौर उर्जा का अधिकाधिक उपयोग करने हेतु घर-घर आवश्यकता अनुरूप सौर उर्जा संयंत्र स्थापित कर उपभोक्ताओं को बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने एवं मासिक बिजली बिल में कमी लाना है। योजना के तहत रूफ्टॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने के लिए एक वॉट से तीन किलो वॉट तक पर केन्द्रीय और राज्य सरकार द्वारा एक वॉट पर 45 हजार से तीन किलो वॉट पर एक लाख 8 हजार रूपए तक अनुदान दिया जाएगा।

मुख्य अभियंता छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनी के सभी नियमित अधिकारी व कर्मचारियों को अपने आवासीय परिसरों में रूफ्टॉप सोलर पॉवर प्लांट स्थापित करने की सलाह दी जाती है। सोलर प्लांट केन्द्रीय और राज्य वित्तीय सहायता के रूप में 45 हजार रूपए से एक लाख 8 हजार रूपए तक अनुदान दिए जाने का प्रावधान है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950